दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 182 ■ दमण, मंगलवार 16 अप्रैल 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने शक्ति प्रदर्शन कर दमण-दीव सीट पर किया नामांकन

■ मोटी दमण फुटबॉल ग्राउंड से भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल ने जनता-जनार्दन की शुभेच्छा लेकर गाजे-बाजे के साथ भव्य रैली निकालकर अपना नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे ■ निर्वाचन अधिकारी सौरभ मिश्रा के समक्ष भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल ने अपना नामांकन किया ■ नामांकन से पहले रैली में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी पूर्णेश मोदी, सहप्रभारी दुष्यंत पटेल, भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल, उपाध्यक्ष महेश गावित और नवीन पटेल, डीएमसी के पूर्व अध्यक्ष मनोज नायक, मुकेश पटेल और जयंती पटेल, दमण जिला भाजपा प्रमुख अस्पी दमणिया, दमण जिला पंचायत प्रमुख जागृति पटेल, दीव जिला पंचायत प्रमुख रामजी भीखा, उपप्रमुख लक्ष्मी मोहन, दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा सिंपल टंडेल, दमण जिला भाजपा युवा मोर्चा प्रमुख गौरांग पटेल, प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा प्रमुख विशाल पटेल, भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल, जनरल सेक्रेटरी भरत पटेल, सरपंचों में शंकर पटेल, शांतू पटेल, मुकेश गोसावी, सविता पटेल, उवर्शी पटेल, लखी प्रेमा, प्रीति हलपति, डीएमसी वाइस प्रेसिडेंट रश्मी हलपति, काउंसिलरों में सोनल पटेल, अनिता पटेल, जसविंदर कौर, चंद्रगिरी टंडेल, आशीष टंडेल, विनय पटेल, सोहिना पटेल, जिला पंचायत सदस्यों में सुनीता हलपति, बाबू पटेल, उपसरपंच सतिष पटेल एवं संजय पटेल, अशोक पटेल, पूर्व भाजपा अध्यक्ष बी. एम. माछी एवं बालू पटेल, भाजपा महामंत्री जीतू माढा एवं सुनील पाटिल, दमण-दीव जिला पंचायत की पूर्व प्रमुख तरुणा पटेल, अलिशा गौरांग पटेल, आदिवासी नेता भाविक हलपति, सिलवासा म्युनिसिपल के पूर्व प्रेसिडेंट राकेश सिंह चौहाण, डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल, सेक्रेटरी कैलाश शर्मा, अल्पेश उपाध्याय, प्रकाश टंडेल, अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री वसीम सैयद, जीगर पटेल, अम्रत पटेल, विष्णु सोरठी, कल्पेश पटेल, जयेश पटेल, विमल पटेल, किरीट दमणिया, शामजी प्रेमजी, मनीष पटेल, विजय पटेल, गुलाब पटेल (कचीगाम), निमेश भंडारी, कल्पेश सीताराम, छोटू पटेल, प्रमोद दमणिया, महेन्द्र कामली, महेश पटेल, रिकेन पटेल, भाविक (जेमु) पटेल, दिलीप नरसैम, चीनु पटेल, शीतल पटेल सहित बडी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं, चुने हुए जनप्रतिनिधियों, समाज के अग्रणियों एवं युवाओं की रही उपस्थिति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 अप्रैल। दमण-दीव लोकसभा सीट से आज भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल ने शक्ति प्रदर्शन के साथ अपना नामांकन भरा। सुबह 11 बजे से मोटी दमण फुटबॉल ग्राउंड पर सांसद लालू पटेल के समर्थकों एवं भाजपाईयों का आना शुरु हो गया था। सबसे पहले भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने बडी संख्या में उपस्थित जनता-जनार्दन की शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद लिया। उन्होंने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदीजी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है और अबकी बार 400 पार भाजपा और एनडीए की सीटों को पहुंचाना है। लालू पटेल ने कहा कि दमण-दीव लोकसभा सीट से मुझे जो टिकट मिली है वह टिकट आपकी ही है। इस अवसर पर भाजपा प्रभारी पूर्णेश मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल के नामांकन के अवसर पर आप बडी संख्या में जो आये हो वह 4 जून को भाजपा की जीत का ट्रेलर है। उस दिन सभी दमण-दीव वासी सडकों पर उतरकर जीत का भव्य जश्न मनायेंगे। उन्होंने भी अबकी बार 400 पार का जयघोष कराया। इस अवसर पर भाजपा के सहप्रभारी दुष्यंत पटेल और दीव से अपनी पूरी टीम के साथ नामांकन प्रक्रिया में भाग लेने आये दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे ने भी लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा की जीत सुनिश्चित होने का दावा किया। मोटी दमण फुटबॉल ग्राउंड से भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल गाजे-बाजे के साथ भव्य रैली निकालकर नामांकन करने पहुंचे। उसके बाद भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ मिश्रा के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया।

दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर आज करेंगी नामांकन

■ दादरा नगर हवेली भाजपा कार्यालय अटल भवन से भाजपा पदाधिकारियों और समर्थकों के साथ भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर सुबह 10 बजे नामांकन के लिए होंगी रवाना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 अप्रैल। दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट पर आज भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर नामांकन करेंगी। भाजपा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट की भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर 16 अप्रैल को अपना नामांकन करेंगी। सिलवासा स्थित भाजपा कार्यालय से सुबह 10 बजे नामांकन करने के लिए भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर रवाना होंगी। इसके पहले भाजपा कार्यालय अटल भवन पर भाजपा के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज के अग्रणियों एवं भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर के समर्थक इकट्ठा होंगे। इसके बाद भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर नामांकन करने सिलवासा कलेक्ट्रेट पहुंचेंगी।

दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का हुआ चयन

■ पहली बार आर. के. नायर को दी गई इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव पद की जिम्मेदारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 अप्रैल। दादरा नगर हवेली में पिछले कई दशकों से औद्योगिक हितों की रक्षा एवं उनके द्वारा सामाजिक परिवर्तन की दिशा में काम करने वाली औद्योगिक संस्था दादर नगर हवेली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का चुनाव एवं चयन प्रक्रिया संपन्न कर लिया गया है। जिसमें पहली बार प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति और शिक्षाविद आर. के. नायर को दादरा नगर हवेली औद्योगिक संगठन के महासचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिन पहले ही दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत यादव को एक बार फिर से सिलवासा फेडरेशन इंडस्ट्रीज का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन में नये शिरे से अपने पदाधिकारी का चयन किया है। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया भी अपनाई गई है। जिसके तहत वाइस प्रेसिडेंट के लिए राजेश दुग्गर के साथ-साथ चार अन्य व्यक्तियों को भी संगठन के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें डॉ. रत्नाकर सिल्के, ए. जी. वोहरा, राहुल अहीरे, पी. टी. वेणुगोपालन तथा महासचिव पद के लिए सर्वसम्मति से आर. के. नायर को चुना गया। वहीं संयुक्त सचिव के लिए मोहन त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष के लिए प्रभाकर गर्ग, अध्यक्ष एडवाइजरी बोर्ड के लिए राजन अग्रवाल, अध्यक्ष ह्युमन कैपिटल सेल के लिए सुरेंद्र राय, एग्जीक्यूटिव कमेटी में मुरलीधर नायर तथा हीरक त्रिवेदी को शामिल किया गया है। इस संबंध में दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नवनियुक्त महासचिव आर. के. नायर ने बताया कि दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के संविधान के अनुसार सभी पदाधिकारी के लिए चुनाव प्रक्रिया बनाई गई और चुनाव के द्वारा चयनित किए गए सभी पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई है। क्योंकि आने वाले दिनों में इंडस्ट्रीज एसोसिएशन दादरा नगर हवेली के सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक तथा पारंपरिक उत्थान की दिशा में काम करने के साथ-साथ औद्योगिक हितों की सुरक्षा एवं औद्योगिकीकरण में भी अपनी प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तत्पर होने वाली है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए बंधी रस्सी में फंसकर युवक की मौत

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो राज्यों के दौरे पर हैं। पहले वह केरल में दो चुनावी रैलियां करेंगे। केरल के कोच्चि में पीएम मोदी की रैली स्थल के पास एक हादसा हो गया है। पीएम मोदी की सुरक्षा के लिए बांधी गई एक रस्सी में बाइक सवार फंस गया। इस हादसे में उसकी मौत हो गई। केरल की कोच्चि पुलिस ने मामले में सोमवार को जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात साढ़े 10 बजे की है। वडुथाला के रहने वाले मनोज उन्नी की पीएम मोदी की सुरक्षा के लिए बांधी गई रस्सी में बाइक फंई और वह हादसे का शिकार हो गया उन्नी को पास के एक अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। उधर, हादसे के बाद युवक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक के परिजनों का कहना है कि बिना किसी चेतावनी के सड़क पर रस्सी बांध दी गई थी और रात के अंधेरे में रस्सी को देख पाना मुश्किल था। मृतक के एक रिश्तेदार ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे के लिए सुरक्षा इंतजाम के तहत रस्सी बांधी गई थी। रात के वक्त रस्सी दिखे, इसके लिए कोई संकेत चिह्न लगाया गया था।

श्री अमरनाथ यात्रा चलेगी 52 दिन

जम्मू। श्री अमरनाथ मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से 52 दिनों तक चलेगी और इसका पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू किया जा चुका है। इससे पहले अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने रविवार को वार्षिक अमरनाथ यात्रा की घोषणा कर दी थी। बाबा बर्फानी के भक्त अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की वैबसाइट जेकेएसएएस बी.एनआईसी.इन पर जाकर इसका पंजीकरण किया जा सकता है। यात्रा का मार्ग 48 किलोमीटर लंबा है। श्राइन बोर्ड के अनुसार इस वर्ष यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों को नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। तीर्थयात्रियों को हैलीकॉप्टर सर्विस प्रोवाइडरों से बुकिंग करानी होगी। इसके लिए बालटाल रूट (नीरगरथ-पंजतरणी-नीलगरथ) के लिए ग्लोबल वैक्ट्रा हैलीकॉर्प लिमिटेड और कन्सोर्टियम एरो एयर क्रॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड से बुकिंग करा सकते हैं। जबकि पहलगाम रूट के लिए एमएस हैरिटेज एविएशन प्राइवेट लिमिटेड से बुकिंग करानी होगी। वहीं श्रीनगर-पहलगाम-श्रीनगर और श्रीनगर-नीलगरथ-श्रीनगर रूट के लिए एमएस पवन हंस लिमिटेड हैली सर्विस से बुकिंग करानी होगी। श्राइन बोर्ड ने अपनी वैबसाइट पर हैली सर्विस की बुकिंग अभी शुरू नहीं की है। अमरनाथ यात्रा का आयोजन जम्मू-कश्मीर सरकार और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के संयुक्त सहयोग से किया जाता है।

मुस्लिम वोटर्स को लुभाने की कोशिश में उद्धव ठाकरे, कहा- पहले जो हुआ उसे...

मुंबई। लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव ठाकरे ने माहिम में मुस्लिम भाइयों से मुलाकात की है। ये बैठक शिवसेना भवन में आयोजित की गई है। उद्धव ठाकरे ने माहिम में मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा है। उद्धव ठाकरे ने मुस्लिम भाइयों से अपील की है कि वे पहले जो कुछ हुआ उसे भूल जाएं और देश और संविधान को बचाने के लिए एक साथ आएं। महाविकास अघाड़ी में उद्धव ठाकरे के शामिल होने के बाद से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय शिवसेना ठाकरे समूह के पक्ष में नजर आ रहे हैं, इसलिए उद्धव ठाकरे ने इन मतदाताओं से बात कर उनका समर्थन मांगा है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में मुस्लिम समुदाय के साथ कई विषयों पर चर्चा हुई। इस चुनाव में मुस्लिम वोटरों पर फोकस करने वाली शिवसेना ठाकरे पार्टी की तस्वीर सामने आ रही है। माहिम इलाके में बड़ी मुस्लिम आबादी है। माहिम दक्षिण मध्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इस सीट पर उद्धव ठाकरे ने अनिल देसाई को और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने राहुल शेवाले को उम्मीदवार बनाया है। इस बैठक के बाद शिवसेना भवन में पार्टी प्रवेश हुआ। पनवेल के कुछ पूर्व भाजपा नगरसेवक ठाकरे की शिवसेना में शामिल हो गए। पार्टी में शामिल होने वाले ये सभी नगरसेवक मावल निर्वाचन क्षेत्र से हैं। मावल में ठाकरे की पार्टी ने संजोग वाघेरे को उम्मीदवार बनाया है, जबकि शिंदे की शिवसेना ने मौजूदा सांसद श्रीरंग बार्ने को टिकट दिया है, इसलिए इस निर्वाचन क्षेत्र में भी ठाकरे और शिंदे के बीच मुकाबला होगा।

आम चुनाव में अबतक 4650 करोड़ रुपये की जब्ती

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आम चुनावों के दौरान देश में अबतक 4650 करोड़ रुपये की जब्ती की है। यह 75 साल के चुनावी इतिहास में अबतक की सबसे बड़ी जब्ती है। आयोग का कहना है कि आगे भी ऐसी ही तेज गति से कार्रवाई जारी रहेगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार अबतक 395.39 करोड़ रुपये नकद, 489.31 करोड़ रुपये की शराब, 2068.85 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 562.10 करोड़ रुपये का सोना, 1142.49 करोड़ की मुफ्त सामग्री जब्त की है। पिछले आम चुनाव के मुकाबले इस बार ड्रग्स और मुफ्त सामग्री में अधिक जब्ती हुई है। आयोग की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए शुक्रवार को पहले चरण का मतदान शुरू होने से पहले ही प्रवर्तन एजेंसियों ने धनबल के खिलाफ ईसीआई की दृढ़ लड़ाई में 4650 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड जब्ती की है। पूरे 2019 के चुनावों के दौरान 3475 करोड़ रुपये की जब्ती की गई थी। 45 प्रतिशत जब्ती ड्रग्स और नशीले पदार्थों की है, जिन पर आयोग का विशेष ध्यान है।

बीजेपी नेता की फिसली जुबान, महिला मंत्री को दे दी सलाह, रात में अच्छी नींद लेने के लिए एक एक्स्ट्रा पैग लें

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव का पहला चरण शुरु होने में कुछ ही दिन बचे हैं और राजनीतिक पार्टियों के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान एक-दूसरे पर तंज कसने के साथ ही जनता को अपनी ओर खींचने के लिए कई वादे भी कर रहे हैं। वहीं कई बार नेता की भाषण देने समय जुबान भी फिसल जाती है और कहना कुछ चाहते हैं निकल कुछ जाता है ऐसा ही एक मामला कर्नाटक में सामने आया जहां बीजेपी नेता ने शराब पीने की सलाह दे दी। चुनाव प्रचार में कई दिग्गज नेता जनता से लोकलुभावन के साथ अपने प्रतिद्वंद्वी पर हमले करने से नहीं चूक रहे। वहीं कर्नाटक में एक भाजपा नेता संजय पाटिल की जुबान फिसल गई और उन्होंने कांग्रेस नेता और राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर को शराब पीने की सलाह दे दी। संजय पाटिल ने कथित तौर पर कहा कि रात में अच्छी नींद लेना है तो एक एक्स्ट्रा पैग जरूर लगाएं। उनके बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने जवाब देते हुए भाजपा की कौरवों और रावण से तुलना कर दी। पाटिल ने शनिवार को बेलगावी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैंने कर्नाटक में आठ अलग-अलग क्षेत्रों में प्रभारी के रूप में काम किया है। बेलगावी में, बड़ी संख्या में महिलाएं भाजपा के समर्थन में सामने आ रही हैं। वहीं पाटिल ने कर्नाटक की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर पर कटाक्ष करते हुए पूर्व भाजपा विधायक संजय पाटिल ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा को बढ़ता देख हेब्बालकर को चिंता हो रही होगी, शायद उन्हें रात में नींद भी नहीं आती होगी। इसलिए मेरी सलाह है कि वह रात में अच्छी नींद लेने के लिए नींद की गोली या एक एक्स्ट्रा पैग लें। गौरतलब है कि लक्ष्मी हेब्बालकर के बेटे मृणाल रवींद्र हेब्बालकर भाजपा उम्मीदवार और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार के खिलाफ बेलगावी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस ने किया पलटवार

कर्नाटक कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के संजय पाटिल ने लक्ष्मी हेब्बालकर पर की टिप्पणी से पूरे महिला समुदाय को निशाना बनाया और अपमानित किया है। कर्नाटक कांग्रेस ने कहा कि जो कोई भी महिलाओं को नीची दृष्टि से देखता है, इसका मतलब है कि उनका पतन शुरू हो गया है। भाजपा और जेडीएस पार्टियों का पतन शुरू हो गया है, इसलिए उनका महिला विरोधी रवैया बढ़ रहा है। कौरवों और रावण की तरह, भाजपा और जेडीएस का भी निश्चित रूप से विनाश होगा।

जिस पर पीएम मोदी का हाथ है उसे जीतने से कोई नहीं रोक सकता

– एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाह ने पवन सिंह के चुनाव लड़ने पर दिया बयान

पटना (एजेंसी)। भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता पवन सिंह के लोकसभा से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद काराकाट में सियासी हलचल तेज हो गई है। पवन सिंह के चुनाव मैदान में उतरने से एनडीए उम्मीदवार और आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि पवन सिंह लड़ें या कोई और लड़े जिस पर पीएम मोदी का हाथ है उसे जीतने से कोई नहीं रोक सकता है।

एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाह से सवाल पूछा जो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उपेन्द्र कुशवाहा ने पवन सिंह के कारकाट लोकसभा में चुनाव लड़ने पर कहा कि इससे कोई फर्क पड़ता है कि कौन चुनाव लड़ता है, कौन नहीं। उन्होंने कहा कि पवन सिंह लड़ें या कोई और लड़े, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद मिला हो उसे दुनिया की कोई ताकत नहीं है जो चुनाव जीतने से रोक दे। उमेंद्र ने कहा मैं काराकाट से जनता के आशीर्वाद से और भारी मतों से चुनाव जीतूंगा। कारकाट में एनडीए उम्मीदवार उपेन्द्र कुशवाहा और सीपीआई माले उम्मीदवार राजाराम सिंह के बीच मुकाबला है।

इसी बीच पवन सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- वह काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में चुनाव लड़ेंगे, जिसके बाद काराकाट की सियासत गर्मा गई है। पवन सिंह के चुनाव लड़ने से राजपूतों के वोट बंटने की उम्मीद है, राजपूत समाज में पवन सिंह की अच्छी पकड़ है। इसका सीधा नुकसान एनडीए उम्मीदवार उपेन्द्र कुशवाहा को हो सकता है क्योंकि उपेन्द्र और राजाराम दोनों कुशवाहा समाज से आते हैं, ऐसे में काराकाट में राजपूत वोटरों की अहमियत बढ़ जाती है।

सूत्र के अनुसार पवन सिंह को मनाने के प्रयास किए जा रहे हैं और एनडीए को उम्मीद है कि पवन सिंह मान जाएंगे, जिसके बाद उपेन्द्र कुशवाहा को राहत मिल सकती है लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसका नुकसान भी उपेन्द्र कुशवाहा को होगा। पवन सिंह के आरा से चुनाव लड़ने की चर्चा थी। इसे लेकर उन्होंने बीजेपी आलाकमान से मुलाकात भी की थी लेकिन बात नहीं बनी। आरा से आरके सिंह को भाजपा का टिकट मिला गया। उसके बाद बंगाल के आसनसोल से बीजेपी ने पवन सिंह को चुनाव लड़ने का निर्देश दिया लेकिन कुछ दिन बाद ही पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। ऐसा माना जा रहा है कि पवन सिंह काराकाट सीट से चुनाव लड़ते हैं तो यह मुकाबला काफी रोचक होगा।

भारतीय अधिकारियों को जब्त मालवाहक जहाज के चालक दल से मिलने की अनुमति देगा ईरान

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा है कि उनका देश भारतीय अधिकारियों को उस मालवाहक जहाज के चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों से मिलने की अनुमति देगा, जिसे ईरान की सेना ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट अपने कब्जे में ले लिया था। ईरान की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, अमीर-अब्दुल्लाहियन ने रविवार को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह जानकारी दी। इस बातचीत में जयशंकर ने पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज़ पर सवार चालक दल के भारतीय सदस्यों को रिहा करने के लिये कहा था। बयान में अमीर-अब्दुल्लाहियन के हवाले से कहा गया है, 'हम जब्त किए गए जहाज के विवरण पर नज़र रख रहे हैं और जल्द ही भारत सरकार के प्रतिनिधियों के लिए उक्त जहाज के चालक दल से मिलना संभव होगा।' इसमें कहा गया कि जयशंकर ने चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की और इस संबंध में ईरान से सहायता का अनुरोध किया था। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) के विशेष नौसेना बलों ने कथित तौर पर इज़राइल के साथ उसके संबंधों को देखते हुए 'एमएससी एरीज़' को जब्त कर लिया था। एमएससी (मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी) ने शनिवार को कहा कि वह चालक दल के 25 सदस्यों की रिहाई और जहाज की वापसी के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। ईरान की इस कार्रवाई के कुछ घंटे बाद, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा कि जहाज के चालक दल में भारतीय, फिलिपीनी, रूसी, पाकिस्तानी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल हैं। भारत में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अधिकारी 17 भारतीयों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए ईरान के संपर्क में हैं।

'भाजपा से तानाशाही की बू आती है', नरेश टिकैत बोले- 2014 के लोकसभा चुनाव में हमने किया था समर्थन लेकिन...

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान नेता नरेश टिकैत का कहना है कि उनकी भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) ने 2014 के लोकसभा चुनाव में खुले तौर पर भाजपा का समर्थन किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद पार्टी उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। टिकैत ने अफसोस जताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र ने 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर 13 महीने लंबे विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 750 किसानों की 'शहादत' को स्वीकार नहीं किया और दावा किया कि भगवा पार्टी में 'तानाशाही की बू आती है'। हालाँकि, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में प्रभावशाली जाट समुदाय के बालियान खाप के 'चौधरी' टिकैत ने कहा कि बीकेयू सदस्य आगामी लोकसभा चुनावों में किसी भी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। बीकेयू, संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का हिस्सा है? किसान संघों की एक छत्र संस्था ने अब निरस्त किए गए कृषि-विपणन कानूनों को लेकर 2020-21 में केंद्र के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था।

उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ एक बड़ा संगठन है जिसके हर सदस्य का किसी न किसी पार्टी से कोई न कोई संबंध या जुड़ाव है। कुछ उम्मीदवारों के रिश्तेदार हैं, कुछ एक ही समुदाय (उम्मीदवार के रूप में) से हैं या उनके साथ व्यक्तिगत स्तर पर संबंध हैं। इसलिए हम (बीकेयू सदस्यों के लिए) ऐसे निर्णय लेने में बहुत सफल नहीं हैं कि किसे समर्थन देना है।

किसान नेता ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि हमने 2014 में भाजपा का खुलकर समर्थन किया था। मुझे इसे स्वीकार करने में कोई झिझक या अनिच्छा नहीं है। लेकिन वे हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। उन्होंने 'राम राज' की बात की थी... उन्होंने अपने मानकों के अनुरूप अच्छा काम किया होगा लेकिन बहुत कुछ नजरअंदाज कर दिया गया।' यह देखते हुए कि भारत कई समस्याओं वाला एक विशाल देश है, उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा सकता है, लेकिन सरकार ने कई मुद्दों, विशेषकर किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर हिंदू पक्ष को दी राहत, नहीं मानी मुस्लिम पक्ष की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इसमें अभी फिलहाल जो बात अदालत की तरफ से निकलकर सामने आई है, उसके अनुसार शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे पर फिलहाल रोक जारी रहेगी। हालांकि, इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से हिंदू पक्ष को राहत मिली है।

दरअसल, मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट में सभी निचली अदालतों में चल रहे 15 मुकदमों को ट्रांसफर करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया था। साथ ही मुस्लिम पक्ष ने इस मामले में हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक की भी मांग की थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मुस्लिम पक्ष की इस मांग को खारिज कर दिया गया और हाईकोर्ट में सुनवाई जारी रहने का रास्ता साफ कर दिया।

बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा की जिला अदालत में मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में चल रहे सभी केस को हाईकोर्ट ट्रांसफर कर लिया था। हाईकोर्ट ने तब कहा था कि सभी मुकदमे एक जैसे हैं और इनमें एक ही तरह के सबूतों के आधार पर फैसला होना है। ऐसे में अदालत के समय को बचाने के लिए बेहतर यही होगा कि इन मुकदमों पर एक साथ सुनवाई हो। हाईकोर्ट के इसी फैसले को मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी मस्जिद के सर्वे पर रोक बढ़ाई जा रही है। मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में अदालत ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर भी सुनवाई टाल दी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की कमेटी की याचिका पर नोटिस जारी किया और संबंधित पक्षों को जवाब दाखिल करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है, जहां फिलहाल इस पर सुनवाई टल गई है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि इस केस में हिंदू पक्ष की ओर से दायर मुकदमे की मेन्टेनेबिलिटी पर सवाल खड़े करने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका पर हाईकोर्ट मंगलवार को सुनवाई करने जा रही है।

बता दें कि इससे पहले सर्वोच्च अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के ईदगाह मस्जिद सर्वे के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस मामले पर कोर्ट ने कहा था कि हाईकोर्ट में इस पर सुनवाई जारी रहेगी। लेकिन, सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति पर अंतरिम रोक जारी रहेगी।

बीजेपी को सत्ता से हटाने पर ही देश स्वतंत्र रहेगा, ममता का दावा भगवा पार्टी के जीतने पर भविष्य में देश में कोई चुनाव नहीं होगा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यदि आप देश की आजादी की रक्षा करना चाहते हैं, तो भाजपा को (सत्ता से) हटा दें, तभी देश स्वतंत्र रहेगा। अगर यह पार्टी आगामी चुनाव जीत जाती है तो भविष्य में देश में कोई चुनाव नहीं होंगे। यह निरंकुश सरकार है। वे देश में एक नेता, एक राष्ट्र, एक भाषण, एक भोजन चाहते हैं।

बनर्जी ने कहा कि भाजपा भारत के संघीय ढांचे को नष्ट कर देगी और एक निरंकुश सरकार बनाना चाहती है। ÷जब मैंने यह कहा तो सभी ने कहा कि यह सच नहीं है। अब आप उनके (बीजेपी के) घोषणापत्र से उनकी नीति देख सकते हैं. एक मछली है जिसका सिर सीएए है, पूंछ एनआरसी है और पेट केंद्रीय नागरिक संहिता है। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, माताओं-बहनों को उनका अधिकार नहीं मिलेगा. आपको सुबह और रात में क्या खाना है, यह भी वही तय करेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर यह सरकार सत्ता में लौटती है, तो इस देश में कोई चुनाव नहीं होगा। वे संघीय ढांचे को नष्ट कर देंगे. एक राष्ट्र और एक नेता होगा. एक निरंकुश सरकार बनेगी। भाजपा डकैतों की पार्टी है। गली गली में शोर है, बीजेपी चोर है। अगर उनमें हिम्मत है तो वे इस पर श्वेत पत्र प्रकाशित करें कि उन्होंने दो साल तक मनरेगा की मजदूरी क्यों नहीं दी। उन्हें पश्चिम बंगाल के साथ-साथ गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हुए भ्रष्टाचार का विवरण भी प्रकाशित करना चाहिए।

प्रशांत किशोर ने की नीतीश कुमार की असंगत रणनीतियों की आलोचना

-2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश को 20 सीटें भी मिलना मुश्किल

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में पहले चरण के चुनाव कुछ ही दिन बचे हैं ऐसे में नेता एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इसी बीच राजनीति पंडित प्रशांत किशोर ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भविष्यवाणी कर दी है। प्रशांत ने लोकसभा चुनाव के बीच में एक साल बाद बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भविष्यवाणी की है। उन्होंने बिहार के सीएम नीतीश कुमार को 2025 के विधानसभा चुनाव में बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर कहा कि 2025 के विधानसभा चुनावों में 20 सीटे जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। फिर चाहे वो महागठबंधन में चले जाएं या बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में ही बने रहे। राजनीतिक पंडित पीके ने नीतीश कुमार की घटती विश्वसनीयता पर जोर दिया और उनकी असंगत रणनीतियों की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की बिहार में साख अब बची नहीं है। सीएम नीतीश कुमार को खुद पता नहीं है कि 2025 में वो कितनी सीटें जीतेंगे। लेकिन नीतीश विधानसभा चुनाव में 20 सीटों से ज्यादा नहीं जीत सकेंगे। पीके ने आगे कहा कि पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों में बीजेपी के वोट शेयर में बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी बंगाल और ओडिशा में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर कर आ सकती है। बीजेपी तेलंगाना में अच्छा प्रदर्शन करते हुए नंबर वन या नंबर-2 की पार्टी बन सकती है। तमिलनाडु में बीजेपी के वोट प्रतिशत में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अब देखा है कि राजनीतिक पंडित प्रशांत की यह भविष्यवाणी कहां तक सटीक बैठती है। यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

मणिपुर के मुख्यमंत्री को क्यों बर्खास्त नहीं किया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह के मणिपुर दौरे से पहले सोमवार को आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में कानून - व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त होने के बावजूद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को बर्खास्त क्यों नहीं किया गया?

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के मुख्यमंत्री को क्यों बचा रहे हैं? गृहमंत्री अमित शाह आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में सोमवार को मणिपुर में प्रचार करेंगे।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री ने मणिपुर में भाजपा निर्मित संकट को लेकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। हालाँकि, उनके गृहमंत्री को आज राज्य में प्रचार करने का समय मिल गया है। हमें उम्मीद है कि वह प्रधानमंत्री की ओर से कुछ सवालों के जवाब देने की पहल करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'तीन मई, 2023 के बाद से जब मणिपुर में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़की, प्रधानमंत्री ने एक बार भी राज्य का दौरा नहीं किया। उन्होंने राज्य के विधायकों या किसी अन्य राजनीतिक प्रतिनिधि को न तो मिलने का समय दिया है और न ही उन्हें फोन किया है। इस बीच, राहुल गांधी ने स्थिति को समझने और मणिपुर के लोगों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए दो बार राज्य का दौरा किया।'

रमेश ने सवाल किया कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के इनकार की क्या वजह है, उदासीनता या कायरता? उनका कहना था, 'मणिपुर में स्थिति गृह युद्ध की कगार पर है, कानून और व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। 200 से अधिक लोग मारे गए हैं, 60,000 से अधिक विस्थापित हुए हैं और राज्य पुलिस के हजारों हथियार चुरा लिए गए हैं। बीएसएफ जवानों पर गोली चलाई गई है, पुलिसकर्मी मारे गए हैं और भीड़ ने सरकारी कार्यालयों में घुसकर आगजनी की है।'

रमेश ने प्रश्न किया, 'प्रधानमंत्री बीरेन सिंह को क्यों बचा रहे हैं? क्या यह मणिपुर की वास्तविकता के प्रति उदासीनता है, या यह हिंसा का मौन समर्थन है?'

उन्होंने किसी का नाम लिए बिना दावा किया, 'मणिपुर में बड़े पैमाने पर हिंसा और प्रशासन के पतन की हकीकत दुनिया भर में पहले पन्ने की खबर बन गई है। जब दुनिया एक भारतीय राज्य में इस स्तर की अराजकता देख रही है, तो प्रोपेगैंडा के पापा 'विश्वगुरु' होने के अपने दावों को सही ठहराते हैं।'

कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि यदि प्रधानमंत्री ने यूक्रेन में युद्ध रूकवा दिया तो वह मणिपुर में गृहयुद्ध जैसी स्थिति को क्यों नहीं रोक सके? रमेश ने यह सवाल भी किया, 'प्रधानमंत्री मणिपुर में भारतीय लोकतंत्र के इस अंतिम स्वरूप - मतदान - को संरक्षित करने के लिए क्या कर रहे हैं?'

उन्होंने दावा किया, 'तमाम अराजकता के बीच मणिपुर में भाजपा के राज्यसभा सदस्य, मणिपुर रियासत के पूर्व शाही परिवार के संजाओबा लीशेम्बा, संसद सदस्य के रूप में अपने आधिकारिक लेटरहेड पर खुद को 'मणिपुर का महाराजा' घोषित कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 18 का उल्लंघन है जो सभी सामंती उपाधियों को प्रभावी ढंग से समाप्त करता है।' रमेश ने यह सवाल भी किया, 'क्या प्रधानमंत्री या गृह मंत्री इस उपाधि को स्वीकार करते हैं? उन्होंने इस प्रथा को ख़त्म क्यों नहीं किया?'

मायावती ने फिर चला पुराना दांव, 'जाट लैंड' को लेकर किया बड़ा वादा, घोषणापत्र को लेकर भी ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पश्चिमी यूपी को राज्य का दर्जा देने और केंद्र में सत्ता में आने पर क्षेत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने की बड़ी घोषणा की। मुजफ्फरनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, बसपा प्रमुख ने लंबे समय से लंबित 'हरित प्रदेश' मुद्दे को एक बार फिर उठाया। गौरतलब है कि यह डॉ. अंबेडकर ही थे जिन्होंने बेहतर शासन के लिए यूपी को तीन अलग-अलग राज्यों - पश्चिमी, मध्य और पूर्वी - में विभाजित करने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कट्टर प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जब सपा सत्ता में थी तो पश्चिमी यूपी में भाईचारा और सौहार्द दफन हो गया था, जबकि बसपा शासन में पश्चिमी यूपी में कभी भी सांप्रदायिक हिंसा नहीं देखी गई।

लोकसभा चुनाव 2024 एक सप्ताह से भी कम समय में शुरू होने वाला है। मतदान के लिए सात चरणों में से पहला चरण 19 अप्रैल, 2024 को शुरू होगा। विभिन्न राजनीतिक दल बेहद सक्रिय हैं और पिछले कुछ महीनों से वोटों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। मतदाताओं को लुभाने के लिए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची और अपना घोषणापत्र भी जारी कर रहे हैं। जहां कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है, वहीं एक पार्टी ऐसी भी है जिसने आगामी चुनावों के लिए कोई भी घोषणापत्र जारी करने से इनकार कर दिया है। यह राजनीतिक दल है बहुजन समाज पार्टी (बसपा) जो आम चुनाव में अकेले उतरेगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने इसकी वजह का भी ऐलान कर दिया है यानी सफाई भी दे दी है कि वह पार्टी की ओर से घोषणा पत्र क्यों नहीं जारी करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के लोगों को हमारे प्रतिद्वंद्वियों के लुभावने घोषणापत्र से विचलित नहीं होना चाहिए... हमारी पार्टी ने किसी भी चुनाव में कोई घोषणापत्र जारी नहीं किया. हम केवल शब्दों के बजाय कार्यों में विश्वास करते हैं। मायावती ने आरोप लगाया, भाजपा का सबसे ज्यादा समय अमीर कारोबारियों को और अमीर बनाने और उन्हें हर स्तर पर बचाने में बीता है। भाजपा और दूसरी पार्टियां इन्हीं कारोबारों के सहारे अपना संगठन चलाती हैं और चुनाव लड़ती हैं, जिसका खुलासा चुनावी बॉन्ड के आंकड़ों से हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पिछड़े समुदाय के लोगों के लिए आरक्षित खाली सीटों पर लोगों की भर्ती नहीं करने और पदोन्नति में आरक्षण को निरर्थक बनाने के लिए विपक्षी दलों पर हमला बोला।

मायावती ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और ज्यादातर राज्यों में भाजपा सरकार होने से मुसलमानों की प्रगति काफी हद तक रुक गई है। यहां धर्म के नाम पर हिंसा भी बढ़ी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा शासन में सामान्य वर्ग को भी कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने अपने समर्थकों को सचेत किया कि वे भाजपा के पक्ष में मीडिया द्वारा किये जा रहे प्रचार और अन्य राजनीतिक दलों द्वारा जारी किये गये झूठे वादों वाले घोषणापत्रों के प्रलोभन में न आयें। मायावती ने गरीबों को मुफ्त राशन मुहैया कराने को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा और कहा

कि सच्चा विकास तभी हो सकता है जब लोगों को रोजगार दिया जाए। मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से बसपा के प्रजापति का मुकाबला भाजपा के संजीव कुमार बालियान और सपा के हरेंद्र सिंह मलिक से है।

अब इंडोनेशिया में चलेगी भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली।

भारत पहले दूसरे देशों पर निर्भर रहता था लेकिन कुछ सालों से भारत में रक्षा उपकरण से लेकर कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर ली है और अब कई देश में बनी चीजें एक्सपोर्ट कर रहा है। वहीं भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार अब इंडोनेशिया में चलती नजर आएगी क्योंकि भारत ने यह कार इंडोनेशिया को एक्सपोर्ट की है।

भारत निर्मित सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट की गई है। यह दुनिया में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को प्रोत्साहित करने में एक महत्वाकांक्षी कदम साबित होगा। सिट्रोन ने कहा है कि यह कदम मेक इन इंडिया की पहल के अनुरूप है। भारत में तैयार की गई ई-सी3 का पहला बैच इंडोनेशिया एक्सपोर्ट किया गया है। कंपनी के सीईओ और एमडी ने कहा कि भारत न केवल एक रणनीतिक बाजार है, बल्कि वाहनों, घटकों और प्रौद्योगिकियों, कंपोनेट और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग का केंद्र भी है। यह मेक इन इंडिया सिट्रोन ईसी3 भारतीय-फ्रांसीसी औद्योगिक सहयोग की ताकत का प्रतीक है। असल में सिट्रोन ईसी3 को विदेशों में एक्सपोर्ट करने की पहल के साथ ही भारत-फ्रांसीसी देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि सिट्रोन ईसी3 भारतीय बाजार में भी सफल होगी। पिछले साल हजारों कारें बिकीं है। अब पहली खेप इंडोनेशिया के लिए बनाई जा रही है। आसियान देशों को मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात के लिए लक्षित किया जा रहा है। किफायती कीमतों पर ग्रीन मोबिलिटी साल्यूशन प्रदान करने के लिए हमने यह पहल की है।

थोक मुद्रास्फीति मार्च में हल्की बढ़कर 0.53 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली ।

देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्च तेल महंगा होने की वजह से थोक मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। दिसंबर, 2022 में यह 5.02 प्रतिशत के स्तर पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आंकड़ों पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2024 में 0.53 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति मार्च 2023 में 25.59 प्रतिशत थी जो मार्च 2024 में 52.96 प्रतिशत रही। प्याज की मुद्रास्फीति 56.99 प्रतिशत रही जो मार्च 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में मुद्रास्फीति 10.26 प्रतिशत बढ़ गई। हालांकि मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के कारण इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 5.66 प्रतिशत हो गई। यह फरवरी में 5.09 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी।

गूगल लॉन्च कर रहा नया स्मार्टफोन, ग्राहकों को मिलेंगे जबर्दस्त फीचर

नई दिल्ली।

गूगल अपना नया स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। गूगल का नया स्मार्टफोन गूगल पिक्सल 8ए अगले महीने 14 मई को होने वाले एक इवेंट में लॉन्च कर सकता है। फोन लॉन्च होने से पहले इस अपकमिंग फोन के फोटोज सामने आए हैं। इन फोटो में गूगल पिक्सल 8ए के कलर ऑप्शन्स को दिखाया गया है। यह डिवाइस बे (ब्लू), मिंट (ग्रीन), ऑब्सीडियन (ब्लैक) और पोर्सिलेन (वाइट) कलर ऑप्शन्स में नजर आएगा। स्मार्टफोन फोन के जो फोटो शेयर किए गए हैं उन्हें देख कर लगता है कि यह फोन कुछ हद तक गूगल पिक्सल 8 जैसा ही होगा। पिछले साल लॉन्च हुआ यह फोन हेजल, मिंट, ऑब्सीडियन और रोज कलर ऑप्शन में आता है। नए गूगल स्मार्टफोन लॉन्च पिक्सल 8ए की बात करें तो यह फोन पिक्सल 8 की तरह ही रियर कैमरा सेटअप ऑफर करने वाला है। एक रिपोर्ट में कंपनी इस फोन में 64 मेगापिक्सल मेन कैमरा और एक 13 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड ऐंगल कैमरा दे सकती है। फोन में 5000 मेगाहार्स की बैटरी लगी होगी, जो 27 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। रिपोर्ट के अनुसार फोन में 1080×2400 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.1 इंच का फुल एचडी+ओएलईडी पैनल लगा हो सकता है। यह डिस्प्ले 120हट्‌र्ज के रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकता है। डिस्प्ले का पीक ब्राइटनेस लेवल 1400 निट्स का हो सकता है और यह एचडीआर ब्राइटनेस फीचर से लैस होगा। कंपनी पिक्सल 8ए को अपने टेनसोर जी3 चिपसेट से साथ लॉन्च कर सकती है। इस चिपसेट को पहले पिक्सल 8 और पिक्सल 8 प्रो में देखा जा चुका है। ओएस की जहां तक बात है तो फोन ऐंड्रॉयड 14 पर काम करेगा।

देश का वस्तुओं का निर्यात मार्च में मामूली घटकर 41.68 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली :

देश का वस्तुओं का निर्यात भू-राजनीतिक तनाव की वजह से मार्च में मामूली रूप से घटकर 41.68 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 के समूचे वित्त वर्ष में यह 3.11 प्रतिशत गिरकर 437.06 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार को जारी व्यापार आंकड़ों के मुताबिक, मार्च के महीने में देश का आयात भी 5.98 प्रतिशत घटकर 57.28 अरब डॉलर रहा। इस तरह वित्त वर्ष 2023-24 के अंतिम महीने में देश का व्यापार घाटा 15.6 अरब डॉलर का रहा। निर्यात और आयात आंकड़ों के बीच के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल आयात 677.24 अरब डॉलर रहा, जो वर्ष 2022-23 के 715.97 अरब डॉलर से 5.41 प्रतिशत कम है। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 240.17 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने व्यापार आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के हालात पर मंत्रालय की नजर बनी हुई है और उसके हिसाब से 'उचित कार्रवाई की जाएगी। बर्थवाल ने कहा कि देश से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात वर्ष 2022-23 के उच्चतम रिकॉर्ड स्तर से आगे निकलकर 776.68 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। उन्होंने कहा कि मार्च में 41.68 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात हुआ जो बीते वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। समूचे वित्त वर्ष में माल निर्यात वृद्धि इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, दवाएं एवं चिकित्सा, इंजीनियरिंग वस्तु, लौह अयस्क, सूती धागा, हथकरघा उत्पाद और सिरेमिक उत्पाद एवं कांच के बर्तनों की वजह से हुई है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात 2022-23 के 23.55 अरब डॉलर से 23.64 प्रतिशत बढ़कर 29.12 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान दवाओं और औषधि का निर्यात 25.39 अरब डॉलर से 9.67 प्रतिशत बढ़कर 27.85 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 में इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 2.13 प्रतिशत बढ़कर 109.32 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि देश का कुल व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2022-23 के 121.62 अरब डॉलर से 35.77 प्रतिशत सुधरकर 2023-24 में 78.12 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

एप्पल को पछाड़कर सेमसंग बनी दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी

मुंबई ।

दिग्गज टेक कंपनी एपल को पछाड़कर कोरियाई कंपनी सैमसंग दुनिया की नंबर वन मोबइल कंपनी बन गई है। वर्ष 2024 की पहली तिमाही में एपल के स्मार्टफोन शिपमेंट में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। एक रिपोर्ट में जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से मार्च के बीच वैश्विक स्तर पर मोबाइल का शिपमेंट 7.8 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ हो गया है। वहीं कोरियाई कंपनी सैमसंग का मार्केट शेयर इसमें 20.8 प्रतिशत का रहा है, जो कि एपल से ज्यादा है। एपल के आईफोन की बिक्री में दिसंबर तिमाही के जोरदार प्रदर्शन के बाद गिरावट देखने को मिली है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सैमसंग को पछाड़ कर एपल दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी बन गई थी लेकिन बीती तिमाही में कंपनी 17.3 प्रतिशत के मार्केट शेयर के बाद दोबारा से दूसरे नंबर पर आ गई है। चीनी मोबाइल ब्रांड शाओमी 2024 की पहली तिमाही में 14.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। वहीं अन्य चीनी ब्रांड हुआवेई जैसे चीनी ब्रांडों के मार्केट शेयर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सैमसंग की ओर से साल की शुरुआत में अपना नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन लाइनअप गैलेक्सी एस 24 सीरीज को लॉन्च किया था। इस अवधि के दौरान 60 मिलियन से अधिक फोन शिप किए हैं। डस बीच एप्पल ने 50.1 मिलियन आईफोन की शिपिंग की, जो पिछले साल की समान अवधि की 55.4 मिलियन यूनिट से कम है। गौरतलब हैं कि एपल के मोबाइल के शिपमेंट में गिरावट चीनी सरकार के उस निर्णय के बाद आई है, जब चीनी कंपनियों और सरकारी एजेंसियों में एपल के मोबाइल उपयोग को सी मित ्कर दिया गया है।

रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश 16 प्रतिशत घटा: रिपोर्ट

नई दिल्ली । विदेशी निवेशकों की कमजोरी के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 16 प्रतिशत घटकर 3.67 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने अपनी रिपोर्ट कैपिटल फ्लक्स में बताया कि भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) सौदों का आकार 2023-24 में घटकर 367.4 करोड़ अमे रिकी डॉलर हो गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 435.8 करोड़ अमरीकी डॉलर था। रियल एस्टेट में पीई प्रवाह 2019-20 में 513.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर, 2020-21 में 637.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर, 2021-22 में 423.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। एनारॉक कैपिटल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में पीई निवेश में गिरावट की प्रमुख वजह वैश्विक वृहद आर्थिक कारक और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण विदेशी निवेशकों की कम गतिविधि रही। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में कुल निवेश में विदेशी पूंजी की हिस्सेदारी घटकर 65 प्रतिशत रह गई, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 76 प्रतिशत थी। पिछले वित्त वर्ष में कुल पूंजी प्रवाह में घरेलू निवेशकों द्वारा पीई निवेश की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही जो उससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 24 प्रतिशत थी।

एलन मस्क की कार में लगेंगे टाटा के सेमीकंडक्टर चिप्स

मुंबई । एलन मस्क की कंपनी टेस्ला और टाटा इलेक्ट्रानिक्स के बीच एक समझौता हुआ है। टेस्ला ने अपनी कारों के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से सेमीकंडक्टर चिप्स खरीदने के लिए यह सौदा किया है। यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को टॉप ग्लोबल क्लांट के लिए विश्वसनीय सप्लायर के रूप में स्थापित करेगा। यह समझौता कुछ ही महीनों में पूरा हो जाएगा। इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली दुनिया की यह टॉप कंपनी भारत में प्रवेश करना चाहती है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क इस महीने पीएम मोदी से मिलने भारत आ रहे हैं।मस्क के इस भारत दौरे से टेस्ला के जरिए भारी निवेश की उम्मीद है। एक खबर के मुताबिक टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टेस्ला के बीच सौदे की रकम को लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ है। दोनों कंपनियों ने इस सौदे पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। सौदे की यह खबर सूत्रों के हवाले से दी गई है। इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि टेस्ला का यह फैसला इलेक्ट्रानिक्स के लोकल स्प्लायर्स के लिए एक इकोसिस्टम क्रिएट करेगा, जो यह बताता है कि अब एक बाजार पर निर्भर नहीं है। टेस्ला और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, जो सेमीकंडक्टर विनिर्माण में टाटा समूह के प्रवेश का नेतृत्व कर रहे हैं, ने इस डेवलपमेंट पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके साथ ही टेस्ला-टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सोर्सिंग सौदे का मूल्य और अन्य विवरण का भी पता नहीं चल सका है।

ईरान-इजरायल वॉर से शेयर बाजार में निवेशकों के डूबे 5 लाख करोड़

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के पहले दिन हाहाकार मचा हुआ है। बाजार खुलते ही संसेक्स 727 अंकों की गिरावट के साथ 73,531 अंकों के स्तर पर पहुंच गया था। कारोबारी सत्र के दौरान बाजार में बिकवाली हावी है। निफ्टी में भी गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी 200 अंकों से ज्यादा टूटकर 22,315.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट के बीच शेयर बाजार निवेशकों को करीब 5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। 12 अप्रैल 2024 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 3,99,67,051.91 करोड़ रुपए था। सोमवार को यह 3,94,68,258.03 करोड़ रुपए पर आ गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 4,98,793.88 करोड़ रुपए घट गई है। संसेक्स में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही थी। वहीं टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और नेस्ले के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए थे। इससे पहले गुरुवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर बाजार बंद रहे थे। वहीं बीते बुधवार को बीएसई संसेक्स 354.45 अंक चढ़कर 75,038.15 अंक के अब तक के उच्च स्तर पर बंद हुआ था। एशियाई बाजारों में भी चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। कोस्पी, हैंगसेंग, शंघाई कंपोजिट, निक्केई सभी में कमजोरी का लाल निशान हावी है। ईरान-इजरायल तनाव और क्रूड में तेजी का असर एशियाई बाजारों पर खराब असर डाल रहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स आज 845 , निफ़्टी 246 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिराव दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली दर्ज करने से आई हैं। इसके अलावा ईरान और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशक आशंकित हैं और उन्होंने खरीददारी से दूरी बना ली है। इसी का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 845.12 अंक करीब 1.14 फीसदी टूटकर 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 246.90 तकरीबन 1.1 फीसदी नीचे आकर 22,272.50 के स्तर पर बंद हुआ। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 44 के शेयर नीचे आये जबकि केवल 6 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में विप्रो का शेयर सबसे ज्यादा 2.47 फीसदी गिरा। इसके साथ ही आईसीसीआई बैंक , बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, एचडीएफ़सी बैंक, एक्सिस बैंक, टीसीएस के शेयर नीचे आये। वहीं नेस्ले इंडिया, मारुति और भारतीय एयरटेल के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। बाजार जानकारों के अनुसार मुध्य पूर्व में तनाव भारतीय इक्विटी बाजार में बिकवाली हावी रही कयोंकि निवेशकों में घबराहट का माहौर है। इसके आलावा वैश्विक बाजारों में बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना है। इसी कारण आज एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे जबकि शंघाई पॉजिटिव क्षेत्र में था। वॉल स्ट्रीट शुक्रवार को गिरावट में बंद हुआ। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त से भी निवेशकों की चिंता बढ़ी है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें छह महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे मुद्रास्फीति भी बढ़ रही है। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों के कमजोर रुख के बीच ही शुरुआती कारोबार में गिरावट आई और सेंसेक्स 929.74 अंक टूट गया। विदेशी कोष की निकासी और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों के उम्मीद से ज्यादा रहने का भी भारतीय शेयर बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। अपने पिछले कारोबारी` दिनों में गिरावट जारी रखते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 929.74 अंक गिरकर 73,315.16 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 216.9 अंक गिरकर 22,302.50 पर आ गया

CHANGE OF NAME

OLD NAME - RAKESHKUMAR RAMANLAL PATEL
NEW NAME - RAKESH PATEL
ADD - FLAT NO. K-5, PRAMUKH VIHAR-3, SILVASSA 396230 UT OF DADRA AND NAGAR HAVELI

CHANGE OF NAME

OLD NAME - VIJAY KURKUTIYA
NEW NAME - VIJAYBHAI AABANBHAI KURKUTIYA
ADD - HOUSE NO. 272, ARBHARIPADA, KHADOLI, SILVASSA 396230,UT OF DADRAAND NAGAR HAVELI

CHANGE OF NAME

OLD NAME -TEJAL VIJAY KURKUTIYA
NEW NAME- TEJAL BARKU BIRARI
ADD - HOUSE NO. 312,DHODHADPADA, VELUGAM, SILVASSA 396230,UT OF DADRAAND NAGAR HAVELI

CHANGE OF NAME

OLD NAME - BARKUBHAI BIRARI
NEW NAME- BARKU BAPJI BIRARI
HOUSE NO. 312, DHODHADPADA, VELUGAM, SILVASSA-396230 UT OF DADRAAND NAGAR HAVELI

CHANGE OF NAME

I have changed my old name from VEENA SHIBU to VEENA M K KORAH and henceforth I shall be known by my new name of **VEENA M K KORAH** which may please be noted.
Sd/-: VEENA MALLOTRA KORAH KORAH
Add:- 5-201-402, Chithiyawad, Moti Daman, Daman 396 220.

डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाली कंपनियों के लिए भारत पसंदीदा स्थल: नैसकॉम

नई दिल्ली :

प्रौद्योगिकी उद्योग के शीर्ष संगठन नैसकॉम ने सोमवार को कहा कि डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाले उद्यमों के लिए भारत शीर्ष प्राथमिकता वाला देश बना हुआ है। साथ ही यह उम्मीद है कि कंपनियां (कृत्रिम मेधा) एआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाएंगी। नैसकॉम ने यह बात 'डिजिटल उद्यमों की परिपक्वता 5.0~ एआई के युग में डिजिटल तैयारी% शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कही है। यह 11 प्रमुख क्षेत्रों और सात प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में 550 उद्यमों के सर्वेक्षण पर आधारित है। सर्वे में पाया गया कि बीते वर्ष देश में 71 प्रतिशत उद्यमों ने अपने तकनीकी खर्च का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा डिजिटल पर व्यय किया। इसमें कहा गया है, ''लगभग 90 प्रतिशत कंपनियों ने 2024 में एआई, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन सहित प्रमुख डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने की योजना का संकेत दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही तक कंपनियों का ध्यान मुख्य रूप से साइबर सुरक्षा की ओर होने की उम्मीद है। इसका कारण काफी संख्या में कंपनियों ने 'जेनेरिक एआई अपनाने की बात कही है। यह बीते साल एक प्रमुख तकनीक के रूप में उभरी है। नैसकॉम ने कहा कि 'जेनरेटिव एआई में जो प्रगति हुई है, उसमें डिजिटल प्रतिभा पर अधिक जोर दिया गया है। सर्वे में 83 प्रतिशत उद्यमों ने कहा कि उनके कुल कार्यबल का छह प्रतिशत से अधिक डिजिटल भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई), उच्च प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन के साथ ही ऊर्जा और बिजली कंपनियों जैसे क्षेत्र अपने डिजिटल सेवा अनुबंधों का विस्तार कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि भारत अपने डिजिटल सेवाओं के पोर्टफोलियो को बनाने और विस्तार देने का लक्ष्य रखने वाली कंपनियों के लिए पसंदीदा 'आउटसोर्सिंग गंतव्य बना हुआ है। यात्रा और परिवहन, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन तथा निर्माण और इंजीनियरिंग क्षेत्रों की 50 प्रतिशत से अधिक कंपनियां अपनी 'आउटसोर्सिंग जरूरतों के लिए इसे चुन रही हैं।

गोदरेज लॉक्स की नजर 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर

नई दिल्ली ।

ताले और सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी गोदरेज लॉक्स का लक्ष्य तीन साल में बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का है। कंपनी ने कहा है कि इसके लिए वह सस्ते उत्पाद की नई श्रृंखला बाजार में पेश करेगी और मौजूदा उत्पादों की कीमतों में कमी करेगी। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सिस्टम्स के कारोबार के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी के नए उत्पाद मौजूदा तालों की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा सस्ते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा तालों को भी सात-आठ प्रतिशत तक सस्ता बनाने का प्रयास किया गया है। कंपनी लगभग तीन साल में बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए मौजूदा तालों के दाम घटाएगी और कम कीमत वाले नए उत्पाद पेश करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का है। कंपनी को दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में अपने उत्पादों के लिए बड़े अवसर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि नए तालों को गुणवत्ता से समझौता किए बिना मीण-शहरी आबादी की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी में ही डिजायन और विकसित किया गया है।

कूड़ा-करकट डालने का स्थान बनते जा रहा समुद्र तल

मनीष कुमार चौधरी

> सबसे अधिक परेशान करने वाली बात समुद्र की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक का बढ़ता संचय है।समुद्र की ऊपरी परतों में माइक्रोप्लास्टिक ने खाद्य श्रृंखला पर आक्रमण किया है। जैसे-जैसे कोई शिकार की परतों के माध्यम से ऊपर की ओर बढ़ता है, उच्च और उच्चतर सांद्रता में एकत्रित होता जाता है। व्हेल और पक्षी जैसे जानवर बड़ी मात्रा में माइक्रोप्लास्टिक का उपभोग कर रहे हैं, जिससे कुपोषण हो रहा है और उन जीवों के कई अंगों को नुकसान हो रहा है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा उजागर किए गए एक अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण 2050 तक चौगुना हो सकता है,

उन्नीसवीं सदी की शुरूआत तक गहराई की अधिक विस्तृत वैज्ञानिक समझ ने आकार लेना शुरू नहीं किया था। जैसे-जैसे यूरोपीय और अमेरिकियों की वाणिज्यिक और क्षेत्रीय आकांक्षाएं दुनिया भर में विस्तारित हुई, महासागर के बारे में अधिक सटीक और अधिक विस्तृत ज्ञान की आवश्यकता भी बढ़ी, लेकिन जल्द ही विकास की अंधाधुंध दौड़ में समुद्र की इन गहराइयों का बेजा इस्तेमाल शुरू हो गया। समुद्र की गहराई का उपयोग बड़ी मात्रा में परमाणु सामग्री के लिए अंतिम विश्राम स्थल के रूप में भी किया गया।पहले और दूसरे विश्व युद्ध के बाद के वर्षों में ब्रिटिश, अमेरिकी, सोवियत, ऑस्ट्रेलियाई और कनाडाई सरकारों ने सैकड़ों-हजारों टन अप्रचलित रासायनिक हथियारों को दुनिया भर के पानी की गहराई में या तो ड्रमों में या टुकड़ों में भेज दिया। हालांकि सार्वजनिक आक्रोश के कारण इस प्रथा को 1972 में समाप्त कर दिया गया था। वर्ष 2019 के एक अध्ययन में आर्कटिक महासागर के तल पर कम से कम 18 हजार रेडियोधर्मी वस्तुएं बिखरी हुई पाई गई, उनमें से कई को सोवियत संघ द्वारा वहां फेंक दिया गया था। जब ये वस्तुएं अपनी जहरीली विरासत को पानी में छोड ?ा शुरू कर देंगी, तब क्या होगा? कई पर्यावरणविदों ने इस स्थिति को समुद्र तल पर धीमी गति से चल रहा चेर्नोबिलइ कहा है।हालांकि सोवियत संघ ने किसी भी अन्य देश की तुलना में समुद्र तल पर अधिक परमाणु कचरा फेंका था, लेकिन वह निश्चित रूप से अकेला नहीं था। 1948 और 1982 के बीच, ब्रिटिश सरकार ने लगभग 70 हजार टन परमाणु कचरा समुद्र की गहराई में भेज दिया। भले ही कम मात्रा में ही सही, अमेरिका, स्विट्जरलैंड, जापान और नीदरलैंड ऐसे कुछ देश हैं, जिन्होंने रेडियोधर्मी सामग्री के निपटान के लिए समुद्र का उपयोग किया है। 2019 में चीनी वैज्ञानिकों ने मारियाना ट्रेंच के तल पर रहने वाले उभयचरों के शरीर में 1940 और 50 के दशक में परमाणु बमों के विस्फोट से उपजे रेडियोधर्मी कार्बन-14 की खोज की।अब जबकि अंतरराष्ट्रीय संधियां समुद्र में रेडियोधर्मी सामग्री के डंपिंग पर रोक लगाती हैं, ब्रिटिश सरकार कुम्ब्रिया के समुद्र तल के नीचे 100 टन से अधिक प्लूटोनियम सहित 750,000 क्यूबिक मीटर परमाणु कचरे के निपटान की योजना तलाश रही है। 1946 से 1993 तक, तेरह देशों ने मुख्य रूप से चिकित्सा, अनुसंधान और परमाणु उद्योग से निकले लगभग 200,000 टन परमाणु/रेडियोधर्मी कचरे को निपटाने के लिए समुद्रों का किसी डंपिंग यार्ड की तरह उपयोग किया। भले ही समुद्र में डंपिंग के मामले में अब तक केवल निम्न स्तर के रेडियोधर्मी कचरे को ही डंप किया गया है, लेकिन समुद्र तल पर फैले सैकड़ों-हजारों टन परमाणु कचरे के धीमे क्षय की तरह, समुद्री जीवों के शरीर में लिखी गई मानव उद्योग की जहरीली विरासतें याद दिलाती हैं कि गहराई भूलने की जगह नहीं है कि जहां कुछ भी डाल दो और भूल जाओ।यह मान लेना आसान है कि हमारा ग्रह केवल स्थलीय वातावरण द्वारा परिभाषित है, वास्तव में विपरीत सच है। समुद्र में परमाणु कचरे की डंपिंग लापरवाही और लालच की एक बहुत बड़ी कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। प्लास्टिक और अन्य वस्तुओं के रूप में भी मानव अपशिष्ट गहरे समुद्र में हर जगह है। सबसे अधिक परेशान करने वाली बात समुद्र की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक का बढ़ता संचय है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल लगभग 300 मिलियन टन प्लास्टिक का निर्माण होता है, इसमें से लगभग 14 मिलियन टन प्लास्टिक कचरे के रूप में हर साल समंदर में फेंक दिया जाता है।समुद्र में परमाणु कचरे की डंपिंग लापरवाही और लालच की एक बहुत बड़ी कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। प्लास्टिक और अन्य वस्तुओं के रूप में भी मानव अपशिष्ट गहरे समुद्र में हर जगह है। खेल बैग, पुतले, समुद्र तट की गेंदें और बच्चों की बोतलें कई हजारों मीटर की गहराई तक समुद्र तल पर फैली हुई हैं। कुछ क्षेत्रों में ऐसी वस्तुओं की संख्या 300 वर्ग किलोमीटर से भी अधिक है। जब खोजकर्ता विक्टर वेस्कोवो 2019 में मारियाना ट्रेंच के निचले भाग पर पहुंचे, तो उन्हें न केवल एम्फिपोड्स की पहले से अज्ञात प्रजातियों का सामना करना पड़ा, बल्कि उन्हें प्लास्टिक बैग और मीठे रैपर भी मिले। सबसे अधिक परेशान करने वाली बात समुद्र की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक का बढ़ता संचय है।समुद्र की ऊपरी परतों में माइक्रोप्लास्टिक ने खाद्य श्रृंखला पर आक्रमण किया है। जैसे-जैसे कोई शिकार की परतों के माध्यम से ऊपर की ओर बढ़ता है, उच्च और उच्चतर सांद्रता में एकत्रित होता जाता है। व्हेल और पक्षी जैसे जानवर बड़ी मात्रा में माइक्रोप्लास्टिक का उपभोग कर रहे हैं, जिससे कुपोषण हो रहा है और उन जीवों के कई अंगों को नुकसान हो रहा है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा उजागर किए गए एक अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण 2050 तक चौगुना हो सकता है, जबकि माइक्रोप्लास्टिक्स संभावित रूप से 2100 तक पचास गुना बढ़ सकता है। यह समुद्री जैव विविधता के लिए खतरा तो है ही, कुछ प्रजातियों को विलुप्त होने के कगार पर पहुंचा सकता है।

संपादकीय

सख्त निर्णय जरूरी

भारत सीमापार से होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने यह प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्री शुक्रवार को 'यह भारत क्यों मायने रखता है: युवाओं के लिए अवसर और वैश्विक परिदृश्य में भागीदारी' विषय पर बोल रहे थे। 2008 में हुए मुंबई हमलों का जवाब देने को लेकर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी संप्रग सरकार पर निशाना साधने हुए उन्होंने कहा कि काफी चर्चा के बावजूद कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। उन्होंने माना पाकिस्तान पर हमला करने की कीमत उस पर हमला न करने से अधिक होगी। 2014 में आतंकवाद की शुरूआत नहीं हुई, यह मुंबई हमले के साथ नहीं हुई, बल्कि यह 1947 में हो चुकी थी। उन्होंने कश्मीर हमले को आतंकवादी कृत्य माना। शिवशंकर ने कहा कि वे गांव और शहर जला रहे थे, लोगों की नृशंस हत्या कर रहे थे। 2014 के बाद भारत की विदेश नीति में आए बदलावों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस देश से संबंध बनाए रखना मुश्किल है, वह है पाकिस्तान है। पाकिस्तान समेत अन्य देशों में मारे गए आतंकवादियों के पीछे भारत का हाथ होने वाली ब्रिटिश अखबार 'गार्जियन' में छपी खबरों का भी उन्होंने तीव्र प्रतिकार करते हुए इन खबरों का तीव्र खंडन किया। ऐसा पहली बार नहीं है, जब विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी बात सख्ती से दोटूक अंदाज में रखी। विश्व पटल पर भारत की छवि मोदी सरकार ने लगातार बदली है। यह कहना कि आतंकवादी किसी नियम से नहीं चलते, उन्हें जवाब भी वैसे ही मुंहतोड़ तरीके दिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हितों का पालन करते हुए भारत दुनिया के तमाम देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने तथा मानवाधिकारों का सम्मान और बहुपक्षवाद पर केंद्रित रहता है। आज भारत के लिए हालात इतने साजगार हो चुके हैं कि तमाम चुनौतियों के बावजूद वैश्विक अगुवा बने रहने और दुनिया को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखने में भारत हिचकता नहीं। निःसंदेह हम उभरती हुई अर्थव्यवस्था हैं, इसलिए विदेशी निवेश, संयुक्त उद्यम और निर्यात के क्षेत्र में भारत की अर्थव्यवस्था प्रदर्शन बेहतर नजर आ रहा है। ऐसे में सीमापार से होने वाले आतंकवादी उपद्रव को लेकर यदि कड़ाई नहीं बरती जाती है तो न केवल भारत की छवि धूमिल होती है, बल्कि आतंकवाद के प्रति सटीक और तत्काल निर्णय न लेने के कारण देश की अखंडता और शांति भी खंडित होती है जिसे बनाए रखना सरकार की महती जिम्मेदारी है।

सूक्ति

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।
- रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
- स्वामी ज्ञानानंद

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है।

इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता।

शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है।

इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

देश की रक्षा हेतु आवश्यक है परमाणु अस्त्र

संजय गोस्वामी

देश की सुरक्षा सबसे पहले है क्योकि आज किसी देश पर हमला होता है जो किसी देश के भाग पर गलत तरीके से कब्जा हो जाता है। क्योंकि यदि उसके पास परमाणु अस्त्र नहीं है तो दूसरा देश हमेशा कब्जा करेगा। क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार है परमाणु अस्त्र के नष्ट करने के बारे में किसी भी नेताओं को सोचना नहीं चाहिए क्योंकि ऐ देश की एकता और ताकत देता है जैसे अगर आप किसी राह पर चल रहें हों और रात का समय हों तो आप अपनी रक्षा हेतु लाठी डंडा रखरखाव और अपने बचने के लिए करते है डंडा से सभी को पीटना मेटा उद्देश्य नहीं है लेकिन अगर मेंरी माँ बहने को छेरे तो पीटना आवश्यक है इसी तरह परमाणु हथियार है जो यदि कोई हमला करे तो डराया जा सके आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 79 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता है लेकिन सभी देशों में एक सहमति नहीं बनी की सभी नस्ट करें ऐसे में हमारा परोसी देश आतंकवादी हमला और परमाणु बम छोड़ने की बात करता है। कहता है इधर चीन है तो दूसरा पाकिस्तान दोनों के पास भरपूर एटम बम है अतः भारत को भी अपनी संप्रभुता और अखंडता के लिए जरुरी है। जब भारत में अटलजी जैसा प्रधानमंत्री हुआ तो 11 मई 1998 को उन्होंने इतिहासिक फैसला लिया परमाणु परीक्षण को मंजूरी देने के लिए भारत की अमेरिका का आर्थिक प्रतिबन्ध भी और दिया लेकिन पहले है। कागजी को थे जमीन सुरक्षा अमल की बहुत कठिन होता होड़ में सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गए हैं।अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है ईरान अब इजराइल में युद्ध की आहट सुनाई दें रही है क्योंकि दोनों राष्ट्र में परमाणु अस्त्र है ऐसे में परमाणु अस्त्र को नष्ट करने की सोचना भी नहीं चाहिए ऐ हमारी रक्षा हेतु अति आवश्यक है हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 2 साल व 3महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा ऐ सीमा विवाद के कारण है चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्कता है हमारा भारत पर कोई आँख दिखाने की कोशिश तभी नहीं करेगा जब उसे मालूम होगा कि हमें भी अपनी सुरक्षा करने की आवश्यकता है उक्रेन के पास परमाणु हथियार जब तक थे उससे पंगा मोल लेने के लिए कोई सोचा भी होगा तो कर नहीं सका होगा लेकिन यूएस के कहने पर जैसे ही परमाणु अस्त्र नष्ट किया बाद मे हमला हो रहा है और हथियार के लिए दूसरे देश पर निर्भर होना पर रहा है नुकसान दोनों को हों रहा है भारत ने किसी का समर्थन ना कर उचित कदम उठाया है ऐसा इसलिए की हमारे वैज्ञानिक ने इतिहास रचा परमाणु इसके स्व स्व कलाम साहब ने अतुलनीय योगदान किया और देश की ताकत बेतहाशा बढ़ि सभी देशों मे डंका बजा और राष्ट्र एकजुट हुआ था उस वक्त उसी का देखा देखी कर पाकिस्तान ने बड़ी भारी कर्ज लेकर मामूली सा परमाणु परीक्षण किया तो बाद मे कर्ज का भार बढ़ते बढ़ते आज खाने के लाले पड़ रहें हैं अतः इसपर राजनीती करना बिलकुल सही नहीं है यदि किसी विपक्ष ने मैंनोफेस्टो मे डाला है तो ये बिलकुल देश हित मे नहीं है जैसा की प्रधानमंत्री जी के किसी भाषण में जिक्र किया है ऐ सही थे अतः हमें इसमें बिलकुल राजनीति करना उचित नहीं है नहीं तो फिर परोसी दो देश केवल आंखे दिखा रहा है वो हमला भी कर सकता है आप जरा सोचिये बैंक की सुरक्षा हेतु गार्ड मशीनगन लेकर खड़ा रहता है लेकिन कभी किसी पर गोली नहीं चलाता है लेकिन यदि किसी ने लूटने की कोशिश की तो सुरक्षा हेतु चलाना होता है.भगवान राम ने आखिर रावण से युद्ध क्यों किया अपने लिए नहीं माँ सीता की रक्षा हेतु अतः जब युद्ध होता है तो सबसे बड़ा नारी सुरक्षीत नहीं रहती है इसलिए गुरुगोविंद सिंहजी ने नारी की रक्षा हेतु शांति के साथ साथ तलवार भी देश की रक्षा के लिए उठाई जो पूज्यनीय है देश सर्वोपरि है और नारी सहित सभी की सुरक्षा हेतु परमाणु अस्त्र भी उतना ही जरूरी है मानवता की भलाई हेतु परमाणु अस्त्रों पर अंकुश लगाना जरुरी है लेकिन जब सभी राष्ट्र सही में नष्ट करें तभी नहीं तो परमाणु अस्त्र बहुत जरुरी है जिसे वैज्ञानिकों ने अपने पसीने से सींचा है नव भारत की रक्षा हेतु इस बात की आवश्यकता है कि उचित निदान द्वारा विश्वजनित मतभेदों को भुलाकर अशांति का माहौल खत्म किया जाए। अतः परमाणु निःशस्त्रीकरण कोई सही कदम नहीं है नहीं तो दूसरा देश मौके का फायदा उठा लेगा और युद्ध में कोई किसी की सुरक्षा की गारंटी नहीं लें सकता है.अतः देशहित में शांति और क्रांति दोनों जरुरी है.निःशस्त्रीकरणह्ल का शाब्दिक अर्थ है-घातक हथियारों पर नियंत्रण रखना और शस्त्रों की बढ़ती संख्या को रोकना ना की नष्ट करना अपनी रक्षा हेतु परमाणु अस्त्र अति आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश : फिर से कसौटी पर

डॉ. सी.पी. राय

देश में राजनीतिक और लोकतांत्रिक सत्ता का उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा भागीदार प्रदेश है, जहां की 80 सीट देश का भाग्य तय करती हैं। कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। आज तक देश के जितने भी प्रधानमंत्री हुए हैं, उनमें से आधे उत्तर प्रदेश से रहे। पिछले दो चुनावों में उत्तर प्रदेश ने भाजपा के लिए आधार का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार दो बार से बनारस से सांसद हैं।

इस बार उत्तर प्रदेश बहुत खामोश है। यह खामोशी सभी दलों को बेचैन किए हुए है। राजनीतिक पंडितों का मानना है की अगर मतदाता का रु झान सत्ता की तरफ होता है तो वो चुनाव शुरू होने के साथ ही दिखाई देने लगता है। ज्यों-ज्यों चुनाव उठान लेता है, सत्ता समर्थक मतदाता ज्यादा मुखर होता जाता है। इस बार वो या तो खामोश है, या अलग-अलग खांचे में सत्ता से जुड़े प्रत्याशियों के प्रति नाराजगी जता रहा है। भाजपा ने अपने काफी सांसदों को फिर से टिकट दिया है। इनमें से अधिकांश जीतने के बाद लौट कर अपने क्षेत्र में गए ही नहीं या जिस केंद्रीकृत तरीके से भाजपा की सत्ता चल रही है, और उसमें केंद्र तथा प्रदेश के चंद लोगों को छोड़ कर किसी की भी प्रभावी भूमिका नहीं है। यहां तक कि मंत्री, सांसद और विधायक का अधिकारी या दरोगा फोन तक उठाने की जहमत नहीं करते। जनप्रतिनिधि जनता या कार्यकर्ता की आवश्यक मदद करने में असफल रहे हैं, और इसलिए भी लोगों से कटे रहे। इसलिए उनका क्षेत्र में जबरदस्त विरोध है। एक दूसरा विरोध, जो बड़े पैमाने पर हाल में दिखा, सहारनपुर में हुआ जब क्षत्रिय समाज ने विशाल सम्मेलन किया जिसमें भाजपा का विरोध करने का फैसला किया गया। कुछ राजनीतिक पंडित मानते हैं कि अज्ञात कारणों से एक हवा चल गई है कि यदि केंद्र में दुबारा मोदी सरकार आ गई तो उसमें न तो राजनाथ सिंह के लिए स्थान होगा और न गडकरी के लिए और उससे भी ज्यादा चर्चा व्यापक है कि उस स्थिति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी मोदी और अमित शाह तुरंत हटा देंगे क्योंकि योगी इन लोगों के सामने मजबूत विकल्प के रूप में उठ खड़े हुए हैं। इस अफवाह का असर भी मतदाता के एक बड़े वर्ग को प्रभावित करता दिख रहा है।

इस बार के चुनाव को अचानक उठ खड़े हुए इलेक्टोरल बॉन्ड के बवंडर ने भी ग्रहण लगा दिया है। इसके उजागर होने के बाद पीएमकेयर फंड को लेकर शंका के बादल घुमड़ने लगे हैं। देखा गया है कि जब भी कोई सत्ता नौकरशाही और व्यवस्था को सारी ताकत सौंप कर खुद को सुरक्षित समझने लगती है, दरअसल तभी वो ज्यादा असुरक्षित हो जाती है क्योंकि राजनीति नेता या कार्यकर्ता, कैसा भी हो, को जनता का लिहाज करना ही होता है। दरवाजे पर आए व्यक्ति के लिए निकलना ही होता है। नौकरशाही के साथ ऐसी कोई मजबूरी नहीं है। जनता के साथ उनके व्यवहार का खमियाजा सरकार को भुगतना पड़ता है। यही स्थिति इस बार नासूर जैसी दिख रही है।

उत्तर प्रदेश में कैराना से इकरा हसन, सहारनपुर से इमरान मसूद, आजमगढ़ से धम्रेद्र यादव, बदायूं से शिवपाल यादव के पुत्र, मैनपुरी से डिंपल यादव, बांदा से शिवशंकर पटेल, बिजनौर से यशवीर सिंह, हाथरस से जसवीर बाल्मिकी, फतेहपुर सीकरी से भाजपा विधायक चौधरी बाबू लाल के पुत्र रामेर सिंह, अलीगढ़ से बृजेंद्र सिंह, लालगंज से दरोगा सरोज, मछली शहर से तूफानी सरोज, फरूखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, बरेली से प्रवीण सिंह ऐरन, मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक, रामपुर से विपक्षी प्रत्याशी, अमरोहा से दानिश अली, कानपुर से आलोक मिश्र, उन्नाव से अनु टंडन, गाजीपुर से अफजाल अंसारी, अंबेडकर नगर से लालजी वर्मा, गोंडा से श्रेया वर्मा, घोसी से राजीव राय, बासगांव से सफल प्रसाद, बस्ती से राम प्रसाद चौधरी, संभल से जियाउर्रहमान वर्क सहित मुलायम सिंह यादव के परिवार वाली अन्य सीट तथा अमेठी और रायबरेली सहित करीब 45 सीटें ऐसी हैं, जो सत्ताधारियों के लिए कठिन डगर साबित हो रही हैं, और ये विपक्षी उम्मीदवार चुनौती देते दिख रहे हैं, तो भाजपा के नाराज लोग भितरघात करते भी दिखलाई पड़ रहे हैं। गौर करने की बात है कि जहां 2014 में भाजपा 71 सीट जीती थी, वहीं 2019 में पुलवामा और बालाकोट की लहर के बावजूद उत्तर प्रदेश में उसकी सीट घट कर 62 हो गई थीं, इस बार तो कोई लहर भी नहीं है। इस कारण लगता है कि मतदाता ने खामोशी बरतते हुए मतदान के दिन ही फैसला सुनाने का निश्चय कर लिया है।

राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणियां और समीक्षकों की समीक्षा तथा एग्जिट पोल वालों को अक्सर मतदाता झुठलाता दिखता रहा है। बहरहाल, हमें 4 जून का इंतजार करना होगा और उसका इंतजार भविष्य को भी है, और भारत में रुचि रखने वाली दुनिया में भी सभी को।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और राजस्थान रॉयल्स में रोमांचक मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को यहां आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में आमन-सामने होंगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी मे केकेआर यहां अपने घरेलू मैदान पर रॉयल्स को हराकर लीग में नंबर एक पर पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा देगी। वहीं संजू सैमसन की कप्तानी में अब तक शानदार प्रदर्शन करती आई रॉयल्स भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। रॉयल्स ने अब तक शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर अपना दबदबा बनाया है पर इस मैच में उसे केकेआर के सुनील नरेन से सतर्क रहना होगा।

नरेन ने अब तक अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है। केकेआर ने जिस प्रकार से इस सत्र में प्रदर्शन किया है उससे वह खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल हो गयी है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 लेकर टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी।

केकेआर ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इस मैच में फिल सॉल्ट ने तेज अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी जीत में नरेन की गेंदबाजी ने ही अहम भूमिका निभाई थी। नरेन के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना पायी थी। इस सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर अब नरेन का सामना किस प्रकार करते हैं ये देखना होगा।

इस मैच में रॉयल्स के जोस बटलर का खेलना तय नहीं है। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। इस सत्र में नरेन ने केकेआर की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की है जिस पर राजस्थान के गेंदबाजों को रोक लगाना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने अब तक 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। आईपीएल में सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट लिए थे। जिससे भी केकेआर की ताकत बढ़ेगी।

केकेआर की बड़ी परेशानी कप्तान श्रेयस का फार्म में नहीं होना है। लखनऊ के खिलाफ 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस को तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं देखा गया। अब तक टीम की ओर से शीर्ष क्रम में सॉल्ट और नारायण ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। वहीं डेथ ओवरों में आंद्रे रसेल की गेंदबाजी से भी टीम हावी रही है।

टीम की चिंता रिंकू सिंह का लय में होना नहीं है। रिंकू ने अब तक केवल 3 रन ही बना पाए हैं। उप कप्तान नितीश राणा चोट के कारण नहीं खेल पा रहे। वहीं ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान,

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान।

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज।

कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच बेहद रोमांचक रहेगा क्योंकि सत्र की दो शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें आमने-सामने होंगी।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर है डच टीम के नाम

–100 रनों के अंदर सिमटी हैं कई टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 की तैयारियों में सभी टीमें लगी हुई हैं। टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के अब तक के सफर में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड डच टीम नीदरलैंड के नाम दर्ज है। हैं। टी20 विश्व कप में अब तक कई टीमें 100 रनों के अंदर भी आउट हुई है। इसमें सबसे कम स्कोर नीदरलैंड का है। वह एक बार 10 ओवर में 79 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं इसमें भारतीय टीम का सबसे कम स्कोर 79 रन रहा है।

तब श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड की टीम 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। बांग्लादेश में हुए इस मैच में नीदरलैंड का केवल एक बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाया था जबकि 5 बल्लेबाज एक भी रन नहीं बना पाये थे। श्रीलंका ने तब 5 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया था। यह टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे छोटा स्कोर है। वहीं दूसरा सबसे छोटा स्कोर भी डच टीम के नाम ही है. 2021 के टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 44 रनों पर आउट कर दिया था।

वहीं भारतीय क्रिकेट टीम को 2016 के टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने 79 रन पर ऑलआउट कर दिया था। तब नागपुर में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 18.1 ओवर में 79 रन ही बन पायी थी। टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में नीदरलैंड पहले और दूसरे नंबर पर है जबकि 55 रन के साथ ही वेस्टइंडीज तीसरे जबकि 60 रन के साथ न्यूजीलैंड चौथे नंबर पर है. स्कॉटलैंड 60 रन के साथ पांचवें, आयरलैंड 68 रन के साथ छठे जबकि हांगकांग 69 रन के साथ सातवें और बांग्लादेश 70 रन के साथ ही आठवें नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम 13 वें नंबर पर है।

42 के धोनी की धमाकेदारी बल्लेबाजी को देखकर हैरान हुए पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक बार फिर साबित किया है कि बढ़ती उम्र के बाद भी वह कितने फिट हैं। धोनी ने जिस प्रकार 42 साल की उम्र में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के अंतिम ओवर में चार गेंदों पर तीन छक्के लगाये उससे गेंदबाजी कर रहे हार्दिक पंड्या भी देखते रह गये।

आईपीएल के हर सीजन में धोनी के संन्यास की बातें होती हैं पर वह हार बार अपनी बल्लेबाजी से साबित करते हैं कि उनमें काफी क्रिकेट शेष है। इस सत्र में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में भी कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद उनके संन्यास की बातें एक सत्र और आगे बढ़ सकती हैं। आखिरी ओवर में धोनी ने 500 के स्ट्राइक रेट से रन मैदाना के सभी ओर छक्के लगाये। इससे सीएसके ने मुम्मई को उसके घरेलू मैदान में ही हरा दिया। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या के हाथों में गेंद थी और धोनी ने तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के मारे इसके बाद अंतिम गेंद पर 2 रन लिए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 4 गेंदों पर तीन लगातार छक्के और 2 रन लेकर 20 रन बनाए। मुंबई ने 6 विकेट पर 186 रन बनाए और सीएसके ने 20 रन से मैच जीता। वहीं अगर धोनी ने यह 20 रन नहीं बनाए होते तो परिणाम कुछ और होता।

टीम इंडिया की जल्द होगी घोषणा, रिंकू-राहुल-संजू समेत शामिल हो सकते हैं ये 15 खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत में कुछ ही दिन बचे हैं, और इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान जल्द होने वाला है। टीम का चयन अजीत अगरकर की अगुवाई में भारतीय चयनकर्ताओं की मीटिंग में किया जाएगा, जो कि इस महीने की आखिरी तारीख या अगले माह के पहले दिन हो सकती है। इसी बीच टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने टीम घोषित करने की डेडलाइन 1 मई रखी है।

आगामी टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से यूएसए और वेस्टइंडीज में खेला जाना है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान जल्द होने वाला है। इसके लिए अजीत अगरकर की अगुवाई में भारतीय चयनकर्ताओं की मीटिंग इस महीने की आखिरी तारीख (30 अप्रैल) या अगले माह के पहले दिन हो सकती है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने टीम घोषित करने की डेडलाइन 1 मई रखी है। यानी इस डेट तक में सभी 20 देशों को अपनी-अपनी टीमें चुन लेनी है। भारतीय फैन्स को भी अपनी टीम के चुने जाने का बेसब्री से इंतजार है। भारतीय चयनकर्ता तो अपनी टीम चुनेंगे ही, उससे पहले हम आपको बताते हैं कि कौन से वे खिलाड़ी हैं, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिल सकता है।

टीम के प्रमुख खिलाड़ी

बल्लेबाज (5): कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली, नंबर-1 बल्लेबाज सूर्यकुमाय यादव, ओपनर यशस्वी जायसवाल, और रिंकू सिंह।

विकेटकीपर (2): विकेटकीपर बल्लेबाजों के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन। पंत ने आईपीएल 2024 के जरिए प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी की है। पंत ने कुछ धमाकेदार पारियां खेलकर फॉर्म में होने के संकेत दिए हैं। विकेट के पीछे भी पंत का प्रदर्शन शानदार रहा है। उधर संजू सैमसन को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जगह मिल सकती है। संजू मौजूदा आईपीएल सीजन में राजस्थान रॉयल्स (ऋ) के लिए बल्ले से शानदार खेल दिखा रहे हैं।

ऑलराउंडर (3): ऑलराउंडर्स की बात करें तो हार्दिक पंड्या की टीम में एंट्री हो सकती है। हार्दिक आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

स्पिनर्स (2): विशेषज्ञ स्पिन गेंदबाजों के तौर पर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया जा सकता है। लेग-स्पिनर चहल भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है और वह आईपीएल में शानदार खेल दिखा रहे हैं।

तेज गेंदबाज (3): फास्ट बॉलिंग यूनिट में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जगह पक्की लग रही है। वहीं मोहम्मद सिराज को भी तीसरे स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल किया जा सकता है।सिराज मौजूदा आईपीएल सीजन में महंगे साबित जरूर हुए हैं। मगर इंटरनेशनल लेवल उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

चयनकर्ताओं के दावेदार

केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, मयंक यादव (फिलहाल चोटिल), शुभमन गिल, रियान पराग, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, मुकेश कुमार। टी20 वर्ल्ड कप में सभी 20 देशों को अपनी-अपनी टीमें चुनने का मौका है, और इसकी डेडलाइन 1 मई है। भारतीय फैन्स को भी अपनी टीम के चुने जाने का बेसब्री से इंतजार है।

हेड की नजरें टी20 विश्वकप पर लगीं

–आईपीएल की लय बनाये रखने का प्रयास करेंगे

बेंगलुरु ।अभी सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनकी नजरें आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट पर लगी हैं ।हेड आईपीएल के जरिये विश्व कप के लिए अपनी तैयारी और बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं । इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनके ऊपर दबाव भी है ।हेड एक आक्रामक बल्लेबाज हैं और अपनी टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अलावा एकदिवसीय विश्वकप में जीत दिलाने में इनकी अहम भूमिगा रही है। हेड ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर मैने लंबा सफर तय किया है। मेरी अपनी शैली है और हर जगह मैं उसी प्रकार से खेलता हूं। अब मेरे पर लगातार अच्छा खेलने का दबाव है ।उन्होंने कहा, 'सभी प्रारूपों में मेरा प्रयास मूल बातों का ध्यान रखना रहा है ।यही मेरी तकनीक ओर रणनीति रहती है। उन्होंने कहा, 'विश्व कप अब करीब है और उम्मीद है कि सनराइजर्स टीम में रहने और शीर्षक्रम पर खेलने से मेरी तैयारी बेहतर होती रहेगी। साथ ही कहा कि मैं इस लय को विश्व कप में भी बनाये रखने का प्रयास करंगा। आईपीएल में खेलने से विश्व कप से पहले थकान या चोटिल होने के खतरे को लेकर इस बल्लेबाज ने कहा, 'यह अहम है कि मैं पूरे आईपीएल में मानसिक रूप से तरोताजा रहूं और अपने खेल पर ही ध्यान दूं।

हरभजन ने कहा पथिराना नहीं, धोनी ने बदला मैच

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स को मुम्बई इंडियंस के खिलाफ महेन्द्र सिंह धोनी की अंतिम ओवरों में की गयी आतिशी बल्लेबाजी से मिली थी ।हरभजन ने कहा कि धोनी के तीन छक्को ने मैच पलट दिया था। धोनी ने अंतिम ओवर में हार्दिक पांड्या की गेंद पर छक्कों की हैट्रिक लगाई जिससे सीएसके का स्कोर 206/4 हो गया और ये तीन छक्के जीत में सहायक भी बने ।वहीं मथीशा पथिराणा ने इस मैच में 28 रन देकर 4 विकेट लिए ।हरभजन ने धोनी की छोटी पर प्रभावी भूमिका के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, धोनी ने सिर्फ चार गेंदें खेलीं और तीन छक्के लगाए ।उन्होंने 20 रन बनाए और यही अंतर जीत का कारण बना ।साथ ही कहा कि अगर आप उन चार गेंदों को हटा दें, तो मुम्बई ने पहले ही इतने रन बना लिए थे कि उसे लक्ष्य मिल जाता ।धोनी का व्यक्तित्व ऐसा है कि जब उन्होंने कदम रखा तो क्रीज पर लोग उसके लिए नारे लगा रहे थे ।हरभजन ने यह भी कहा कि धोनी को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए ।उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया उससे ऐसा नहीं लगा कि वह खेल से दूर हैं ।उनमें आत्मविश्वास साफ झलक रहा है । वह इतनी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं कि हर कोई हैरान है कि वह ऊपर के क्रम में बल्लेबाजी क्यों नहीं कर रहे हैं ।जब धोनी बल्लेबाजी करने आए। ऐसा लगा जैसे पूरा स्टेडियम उन्हें देखने आया हो, इससे पुरानी यादें ताजा हो गईं।

टी20 विश्वकप के लिए पांड्या से अधिक मजबूत है शिवम की दावेदारीः मनोज तिवारी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। तिवारी के अनुसार आगामी टी20 विश्वकप में इस क्रिकेटर को जरुर जगह मिलनी चाहिये। साथ ही कहा कि टीम में जगह के लिए उसकी दावेदारी मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या से अधिक मजबूत है। इसलिए अगर चयन के समय उसे पांड्या से अधिक वरीयता मिली चाहिये। तिवारी के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में पांड्या का प्रदर्शन कोई विशेष नहीं रही रहा है। बल्लेबाजी में वह रन नहीं बना पाये हैं इसके अलावा गेंदबाजी भी काफी कम की है। उन्होंनें पिछले तीन मैचों में केवल एक ओवर ही किया है। साथ ही कहा कि अगर हार्दिक को टी20 विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें अपने को साबित करन होगा।

साथ ही कहा कि अब तक हार्दिक ने इस सत्र में काफी रन दिये हैं। ऐसे अबर वह एक ऑलराउंडर के रूप में खेलना चाहते हैं, तो उन्हें आने वाले मैचों में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इसके साथ ही तिवारी ने यह भी कहा किया कि अगर शिवम को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिलती है तो इसके लिए सीएसके जिम्मेदार मानी जाएगी क्योंकि सीएसके उन्हें गेंदबाजी के अवसर नहीं दे रही। साथ ही कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर हमें साहसी फैसले लेते है। ऐसे में वह शायह ही हार्दिक को अवसर दें। साथ कहा कि हार्दिक अगर अच्छा नहीं खेल रहे हैं तो उनके विकल्प के तौर पर शिवम को तैयार किया जाना चाहिये। उन्होंने शिवम को एक चालाक गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा, एक समय हमारे पास वेंकटेश अय्यर भी थे। अचानक दोनों ने गेंदबाजी करना बंद कर दिया। हमें बड़े लक्ष्य को देखना चाहिए। हम एक दशक से विश्वकप नहीं जीत पाये हैं। इसलिए हमें उसके लिए समय से पहले योजना बनानी होगी। अभी हार्दिक फॉर्म में नहीं हैं और शिवम को आईपीएल में गेंदबाजी के अधिक अवसर नहीं मिले हैं। ऐसे में वह कैसा प्रदर्शन करते हैं ये कहा नहीं जा सकता है।

स्टार्क के बचाव में उतरे गंभीर, उसे खराब गेंदबाज कहना ठीक नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब तक अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाये है। स्टार्क आईपीएल इंतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। ऐसे में उनसे सभी को धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह विफल रहे हैं। इस कारण ये गेंदबाजी आलोचनाओं का शिकार भी हुआ है। इसी को लेकर अब टीम के मेंटोर गौतम गंभीर उनके बचाव में उतरे हैं। गंभीर ने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन से अधिक टीम की सफलता पर उन्होंने ध्यान दिया है। इसलिए स्टार्क को खराब

गेंदबाज कहना ठीक नहीं है।

गंभीर ने उनका बचाव करते हुए कहा ,'' खराब आंकड़े मायने नहीं रखते। टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों की पिटाई भी होती ही है। हमने चार में से तीन मैच जीते हैं।'' गंभीर ने कहा ,'' टीम खेल में जीत मायने रखती है। हमने चार में से तीन मैच जीते हैं। मैं किसी के प्रदर्शन से खुश क्यों नहीं रहूंगा। अच्छा बुरा दिन खेल में आता है पर टीम की जीत सबसे अहम होती है।'' साथ ही कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन पर अधिक ध्यान देना अहम नहीं है। मैरा मानना है कि स्टार्क ने अच्छा खेला है। वह जल्दी ही लय में नजर आयेगा। उन्होंने कहा ,'' पहले चार मैच में हमें अच्छे परिणाम मिले। हमें पता है कि स्टार्क क्या कर सकता है। चार मैच उसे खराब या अच्छा गेंदबाज नहीं बनाते। हमें पता है कि वह क्या कर सकता है।''

बैंगनी रंग का होगा ओलंपिक का एथलेटिक ट्रैक

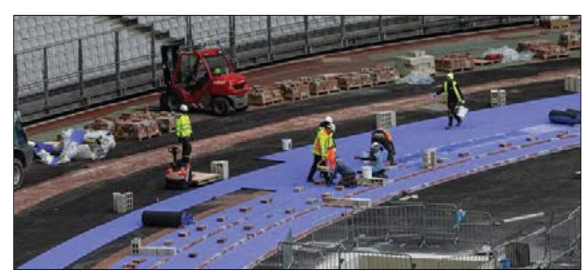

पेरिस। एथलीट इस साल पेरिस ओलंपिक खेलों में जब नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे तो दर्शकों को बैंगनी रंग का एथलेटिक ट्रैक देखने को मिलेगा। पारंपरिक ईंट जैसे लाल रंग से हटकर पहली बार ओलंपिक ट्रैक इस बार बैंगनी रंग का होगा।'वल्केनाइज्ड रबर ट्रैक' (रासायनिक प्रक्रिया से तैयार होने वाला बेहतर कृत्रिम रबर) के टुकड़ों का उत्पादन उत्तरी इटली की एक फैक्ट्री में किया गया है और कर्मचारी उन्हें ट्रैक स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डी फ्रांस' में बिछा रहे हैं। ट्रैक को कवर करने के लिए 'वल्केनाइज्ड रबर' के 1,000 से अधिक रोल का उपयोग किया जाएगा। इसमें लगभग एक महीने का समय लगेगा और कुल मिलाकर गोंद के 2,800 डब्बे लगेंगे। तीन साल पहले तोक्यो में लाल ट्रैक पर तीन विश्व और 12 ओलंपिक रिकॉर्ड बने थे। 'मोंडो' ने 1976 में मॉन्ट्रियल के बाद से हर ग्रीष्मकालीन खेलों का एथलेटिक ट्रैक तैयार किया है और कंपनी को पेरिस में और भी बेहतर ट्रैक बनाने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने आईपीएल मैच के वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करने पर रोक लगायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के लाइव मैच के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक लगा दी है। बीसीसीआई ने ऐसा किसी भी प्रकार के विवाद को न होने देने के लिए किया है। टूर्नामेंट के दौरान वीडियो और तस्वीर पोस्ट करने से कभी–कभी विवाद भी पैदा हो जाते हैं। हाल ही में एक पूर्व बल्लेबाज ने आईपीएल मैच की कमेंट्री करते हुए अपनी तस्वीर खींची और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जिसपर सवाल उठा गये थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके तुरंत बाद इस पूर्व बल्लेबाज को पोस्ट को हटाने का आदेश दिया गया। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने कमेंटेटर्स, खिलाड़ियों और टीमों कोआईपीएल मैच के दौरान फोटो, वीडियो बनाने या अपलोड न करने को कहा है। अगर इन नियमों का उल्लंघन करना है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी अधिकारियों ने यह भी कहा कि कुछ खिलाड़ियों ने हाल ही में मैच के दिनों की तस्वीरें शेयर की थी और इसके बाद उन्हें इन पोस्ट को डिलीट करने को कहा गया। यहां तक कि एक आईपीएल टीम ने मैच का लाइव वीडियो स्ट्रीम कर दिया था, जो कि नियमों के विपरीत है। इस कारण बीसीसीआई ने उस पर 9 लाख का जुर्माना लगाया था।

महान भारतीय क्रिकेटर ने हार्दिक पर साधा निशाना, कहा- बेहद साधारण गेंदबाजी और कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को मौजूदा आईपीएल में मुंबई इंडियंस की चौथी हार के बाद प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अब तक 'बिलकुल साधारण गेंदबाजी और साधारण कप्तानी' के लिए उनकी आलोचना की। मुंबई की कप्तानी संभालने के बाद से प्रशंसकों की हूटिंग का सामना कर रहे पांड्या को रविवार रात चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम की 20 रन की हार के बाद गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की आलोचना झेलनी पड़ी। पांड्या ने पारी के अंतिम ओवर में 26 रन लुटाए जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे।

गावस्कर ने कहा, 'ओह, बेहद साधारण गेंदबाजी, साधारण कप्तानी। शिवम दुबे के साथ रुतुराज गायकवाड़ के काफी अच्छी बल्लेबाजी करने के बावजूद उन्हें कम स्कोर पर रोका जाना चाहिए था। मेरा मानना है कि उन्हें 185-190 रन तक रोका जाना चाहिए था।' उन्होंने कहा, 'संभवत-सबसे बदतर गेंदबाजी जो मैंने काफी लंबे समय में देखी है।' पांड्या ने तीन ओवर में 43 रन देकर दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए भी छह गेंद में सिर्फ दो रन बना पाए।

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की 63 गेंद में नाबाद 105 रन की पारी के बावजूद मुंबई की टीम 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। पीटरसन का मानना है कि इस स्टार ऑलराउंडर पर बाहरी आलोचना का असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में सोचता हूं कि खेल के इतर की चीजें हार्दिक पांड्या पर बहुत प्रभाव डाल रही हैं। जब वह टॉस के लिए जाता है तो वह बहुत मुस्कुराता है। वह ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहा है जैसे वह बहुत खुश है। वह खुश नहीं है। यह मेरे साथ हुआ है। मैं इसका सामना कर चुका हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि यह आप पर प्रभाव डालता है।'

उन्होंने कहा, 'अभी हम जो हूटिंग सुन रहे हैं। मुझे पता है कि वे सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान (धोनी) द्वारा मैदान के हर तरफ उसके (पांड्या) खिलाफ शॉट खेलने से खुश थे, इससे आपको दुख होता है। क्योंकि उनमें भावनाएं हैं। वह एक भारतीय खिलाड़ी और वह नहीं चाहता कि उसके साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए इसलिए जब यह होता है तो इसका उस पर असर होता है। यह उसके क्रिकेट पर असर डाल रहा है।' पीटरसन ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि जब सुपरकिंग्स के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से रन बना रहे थे तो पांड्या ने अपने स्पिनरों का उपयोग क्यों नहीं किया।

कमजोर गेंदबाजी के कारण आईपीएल में असफल हो रही मुम्बई इंडियंस - लारा

मुंबई ।वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा है कि कमजोर गेंदबाजी के कारण मुम्बई इंडियंस टीम आईपीएल में विफल हो रही है ।इसलिए उसे इस क्षेत्र में काफी सुधार करना होगा ।लारा ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं । बुमराह ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चार ओवर में 27 रन दिये पर उन्हें कोई विकेट नहीं मिला ।ये गेंदबाजी भी उनके स्तर के गेंदबाज के अनुरुप नहीं कही जा सकती है ।वहीं हार्दिक पंड्या के पारी के अंतिम ओवर में महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे । लारा ने कहा, 'जब हम मुंबई इंडियंस को देखते हैं तो बहुत से लोग उन्हें प्रबल दावेदार मानते हैं ।ये इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे ।उन्होंने इस सत्र में 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया था ।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 14 ग्रामीणों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से लगभग 14 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के ताना तोराजा जिले में चार घर भूस्खलन में दब गए। आधी रात से लगातार हुई भारी बारिश ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अभी भी पहाड़ी दक्षिण मकाले गांव में एक लापता ग्रामीण की तलाश कर रहे हैं। हालांकि बिजली की कमी, क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण ताना तोराजा के ऊंचे इलाकों में सड़कें अवरुद्ध होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

अफगानिस्तान में अचानक बाढ़ आने से 33 लोगों की मौत

काबुल। भारी बारिश के चलते अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ के कारण तीन दिन में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मंत्रालय के लिए तालिबानी प्रवक्ता अब्दुल्ला जनान सैक ने बाढ़ संबंधी जानकारी देते हुए बताया, कि राजधानी काबुल और कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गई है। बाढ़ के कारण 600 से अधिक मकान नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए जबकि करीब 200 मवेशियों की मौत हो गई है। बाढ़ से 800 हेक्टेयर कृषि भूमि भी नष्ट हो गई है। उन्होंने बताया कि अचानक बाढ़ से 85 किलोमीटर से अधिक का सड़क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया है। बाढ़ से पश्चिमी फराह, हेरात, दक्षिणी जाबुल और कंधार प्रांतों में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से अधिकांश में आने वाले दिनों में और बारिश होने का अनुमान जताया है।

पश्चिम कांगो में भारी बारिश व भूस्खलन से 15 लोगों की मौत, 60 लापता

इडियोफा। दक्षिण पश्चिम कांगो में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में रविवार को कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी और 60 लोग लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इडियोफा शहर के निकट बंदरगाह से कुछ दूरी पर शनिवार को हुए भूस्खलन के बाद सात लोग जीवित पाए गए हैं। स्थानीय अधिकारी ढेधे मुपासा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि बंदरगाह से आगे एक पहाड़ी है और बारिश के कारण पहाड़ की मिट्टी खिसक गयी है। प्रांत के अंतरिम गवर्नर फिलसीन किवे ने संवाददाताओं को बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए एक टीम को भेजा गया है जिन्होंने 7 लोगों को जीवित पाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि 60 लोग अभी भी लापता हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों की सटीक संख्या बता पाना मुश्किल है क्योंकि हर शनिवार को इस जगह एक बाजार लगता था। अधिकारी ने बताया कि यह इलाका एक तरह का बंदरगाह है जहां मछुआरे मछली बेचने और साबुन खरीदने आते हैं।

पापुआ न्यू गिनी में 6.5 तीव्रता का भूकंप

पापुआ न्यू गिनी। पापुआ न्यू गिनी में सोमवार को 6.5 तीव्रता का भूकंप आया। अभी सुनामी का कोई अलर्ट नहीं है न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने एक बयान में बताया कि दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश में स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजे भूकंप आया। भूकंप का केंद्र वेस्ट न्यू ब्रिटेन की प्रांतीय राजधानी किम्बे से 110 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में 68 किलोमीटर की गहरायी में था। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने बताया कि अभी सुनामी का कोई अलर्ट नहीं है। पापुआ न्यू गिनी भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

पाकिस्तान के डॉन सरफराज की गोली मारकर हत्या

लाहौर। पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर सरफराज की लाहौर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। यह वही इंसान है, जिसने भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की उस वक्त हत्या कर दी थी, जब वे लाहौर की लखपत जेल में कैद थे। बताया जा रहा है कि अज्ञान हमलावरों ने सरफराज को एक के बाद एक कई गोलियां मारी, जिससे घटनास्थल पर ही उसने दम तोड़ दिया. अमीर सरफराज को आतंकवादी संगठन लश्कर के सरगना हाफिज सईद का करीबी माना जाता है। बता दें 2013 में सरबजीत की आईएसआई के इशारों पर हत्या कर दी गई थी। दिसंबर 2018 में, एक पाकिस्तानी अदालत ने सरबजीत सिंह की हत्या के मामले में अमीर सरफराज उर्फ ??तांबा और मुदस्सर – को सबूतों के आभाव में बरी कर दिया था। सभी गवाहों के मुकर जाने के बाद लाहौर सेशन कोर्ट ने दोनों आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया था. उस वक्त एक अधिकारी ने कहा था कि अदालत में दोनों संदिग्धों के खिलाफ एक भी गवाह ने गवाही नहीं दी।

इजराइल ने एहतियात के तौर पर लगाए प्रतिबंध हटाए

जेरूसलम। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने सोमवार तड़के कहा कि ईरान के शनिवार रात के हमले से पहले एहतियात के तौर पर लगाए गए सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले से पहले इजराइल ने शनिवार को सभी शैक्षणिक गतिविधियों और बड़े आउटडोर समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि स्थिति के आकलन के बाद रविवार मध्यरात्रि से इन प्रतिबंधों को हटाने का फैसला किया गया। बयान में कहा गया है, अब पूरे इज़राइल में शैक्षिक गतिविधियों को बहाल कर दिया गया है और सभाओं पर से भी प्रतिबंध हटा दिया गया है।

बाल्टीमोर ब्रिज गिरने के मामले में एफबीआई ने फौजदारी जांच शुरू की

वाशिंगटन। अमेरिका के बाल्टीमोर स्थित फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के ध्वस्त होने के मामले में संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने फौजदारी जांच शुरू की है। मामले से अवगत एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जांच मुख्य रूप से इस बिंदु पर केंद्रित होगी कि किन परिस्थितियों में घटना हुई और क्या सभी संघीय कानूनों का अनुपालन किया गया था। पूरे प्रकरण की जानकारी सार्वजनिक रूप से देने के लिए अधिकृत नहीं होने की वजह से व्यक्ति ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को यह जानकारी दी। एजेंसी ने सोमवार को बताया कि उसकी टीम मालवाहक जहाज डाली पर सवार है और अदालत द्वारा अधिकृत कानून प्रवर्तन गतिविधि को अंजाम दे रही है। पूरे प्रकरण की एफबीआई जांच की खबर सबसे पहले वाशिंगटन पोस्ट ने दी थी।

यंगून में थिंग्यान वाटर फैस्टीवल में एक दूसरे पर पानी छिड़कते हुए लोग।

दुनिया का सबसे अमीर अरबपति भारत का समर्थक, एलन मस्क से मुलाकात पर क्या बोले पीएम मोदी?

टेस्ला प्रमुख एलन मस्क की भारत यात्रा से पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया का सबसे अमीर अरबपति भारत का समर्थक है। सोमवार को प्रसारित एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में जब पीएम मोदी से भारत में टेस्ला कारों और स्टारलिंक को देखने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि एलन मस्क का मोदी का समर्थक होना एक बात है, लेकिन मूल रूप से वह भारत के समर्थक हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क इस महीने भारत का दौरा करने वाले हैं और उम्मीद है कि वह कई निवेश प्रस्तावों का अनावरण करेंगे। टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक वाहन प्लांट स्थापित करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम से मुलाकात के दौरान एलन मस्क स्पेसएक्स के सैटेलाइट बिजनेस स्टारलिंक पर चर्चा कर सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट संचार लाइसेंस के लिए सशर्त मंजूरी मिल सकती है। शर्तों में डेटा रूटिंग प्रतिबंध और स्थानीय साझेदारी की आवश्यकता शामिल हो सकती है। स्टारलिंक वर्तमान में वैश्विक स्तर पर 26 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है।

ईरान के हमले के बाद जी7 ने इजरायल के प्रति 'पूर्ण समर्थन' जताया

वाशिंगटन(एजेंसी)। जी7 देशों के नेताओं ने रविवार को वर्चुअल मुलाकात की और 'इजरायल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' जताया और 'इसकी सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता' की पुष्टि की।

व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक बयान में उन्होंने कहा, 'हम जी7 के नेता इजरायल के खिलाफ ईरान के सीधे और अभूतपूर्व हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। ईरान ने इजरायल की ओर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागीं। मगर इजरायल ने अपने सहयोगियों की मदद से ईरान को हरा दिया।''

जी7 देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान के साथ-साथ यूरोपीय संघ भी शामिल हैं।

उन्होंने बयान में कहा, 'हम इजरायल और उसके लोगों के प्रति अपनी पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त करते हैं और इसकी सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।'

उन्होंने कहा कि इजरायल पर हमला शुरू करके ईरान ने क्षेत्र को अस्थिर करने की दिशा में कदम बढ़ाया है और एक बेकाबू क्षेत्रीय तनाव को भड़काने का जोखिम उठाया है। इससे बचा जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि वे 'गाजा में संकट को खत्म करने के लिए हमारे सहयोग को मजबूत करेंगे, जिसमें तत्काल और स्थायी युद्धविराम व हमास द्वारा बंधकों की रिहाई की दिशा में काम करना और जरूरतमंद फिलिस्तीनियों को बढ़ी हुई मानवीय सहायता प्रदान करना शामिल है'।

राष्ट्रपति बाइडेन ने 'इजरायल की सुरक्षा के लिए अमेरिका की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अलग से बात की। बाइडेन ने एक बयान में कहा 'मैंने उनसे कहा कि इजरायल ने अभूतपूर्व हमलों से भी बचाव करने और उन्हें हराने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है - अपने दुश्मनों को एक स्पष्ट संदेश भेजा है कि वे प्रभावी रूप से इजरायल की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाल सकते।'

इजराइली सेना ने फलस्तीनी लोगों को युद्धग्रस्त गाजा में नहीं लौटने की फिर से दी चेतावनी

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी) (एजेंसी)। इजराइली सेना ने सोमवार को फलस्तीनी लोगों को युद्धग्रस्त गाजा के उत्तरी हिस्से में नहीं लौटने की फिर से चेतावनी दी। इससे एक दिन पहले गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि बड़ी संख्या में विस्थापित निवासियों द्वारा युद्धग्रस्त इलाके में अपने-अपने घर पहुंचने के प्रयास के दौरान पांच लोग मारे गये। उत्तरी गाजा हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध का प्रारंभिक लक्ष्य था और इसके बड़े हिस्से को समतल कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र की अधिकांश आबादी दक्षिण की ओर भागने को मजबूर हो गई है। हालांकि, बताया जाता है कि लगभग 2,50,000 लोग अब भी उत्तर में रह रहे हैं। इजराइली सेना ने छह महीने से जारी युद्ध के दौरान अधिकांश विस्थापित लोगों को यह कहकर उत्तरी हिस्से में लौटने से रोक दिया कि यह इलाका एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र है। सेना ने गाजा में अपने सैनिकों की संख्या कम कर दी है और कहा है कि उसने उत्तर पर हमास के नियंत्रण को कमजोर कर दिया है। लेकिन इजराइल अब भी उस क्षेत्र विशेष रूप से गाजा स्थित मुख्य अस्पताल शिफा में हवाई हमले और लक्षित अभियान चला रहा है, जिसके बारे में उसका कहना है कि वहां आतंकवादी फिर से संगठित हो रहे हैं। शिफा पिछले महीने दो सप्ताह तक जारी छापेमारी और लड़ाई के बाद खंडहर में तब्दील हो गया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचे अद्राई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर एक पोस्ट में लिखा कि फलस्तीनियों को दक्षिणी गाजा में रहना चाहिए, जहां उन्हें आश्रय लेने के लिए कहा गया है क्योंकि उत्तर एक 'खतरनाक युद्ध क्षेत्र' है। लोग रविवार को हुई हिंसा के बाद नई चेतावनी पर ध्यान देते दिखे। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर में स्थित अपने घरों की ओर जाने की कोशिश कर रहे पांच लोगों की इजराइली बलों ने हत्या कर दी। रिकॉर्ड से पता चलता है कि इस घटना में 54 अन्य लोग घायल हो गए। इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। उत्तरी शहर बेत हनून से विस्थापित और घर लौटने की कोशिश करने वालों में शामिल अनाम मोहम्मद ने कहा कि सेना महिलाओं और बच्चों को जाने की अनुमति दे रही थी, लेकिन जब फलस्तीनी लोगों के एक समूह ने उनके लिए जगह नहीं बनाई तो दो टैंक आए और गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए धुएं वाले बम भी फेंके।

इस्लामी जगत फ़िलिस्तीन की आज़ादी का मनाएगा जश्न

–ईरान के सुप्रीम लीडर ने सोशल मीडिया पर किया इशारा

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल पर ईरान से एक और बड़े युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान ने शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला कर दिया था, जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि इजरायल भी जवाबी हमला कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चिंता जताते हुए दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर सोशल मीडिया की गई पोस्ट से आशंका जताई जा रही है कि इजरायल पर ईरान अभी और हमले कर सकता है। ईरान के सुप्रीम लीडर सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म एक्स पर येरूशलम स्थित मुस्लिमों के सबसे पवित्र स्थलों में से एक मस्जिद अल-अक्सा के ऊपर से गुजरते मिसाइल का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि 'दुष्ट शासन को दंडित किया जाएगाज' उन्होंने पोस्ट में यहूदी राष्ट्र इजराइल का नाम तो नहीं लिया, लेकिन वह 'इजरायल' को ही दुष्ट नाम से संबोधित करते रहे हैं। खामनेई ने इसके साथ ही अपने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'कुद्स शरीफ़ (येरूशलम) मुसलमानों को दिया जाएगा और इस्लामी जगत फ़िलिस्तीन की आज़ादी का जश्न मनाएगा।' सुप्रीम लीडर की इस पोस्ट से आशंका जताई जा रही है कि ईरान अभी और हमले कर सकता है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ जनरल मोहम्मद हुसैन बघेरी ने कहा कि अभियान खत्म हो गया है। उन्होंने कहा है कि इजरायल के खिलाफ अभियान जारी रखने का हमारा कोई इरादा नहीं है। बता दें सीरिया में 1 अप्रैल को हवाई हमले में ईरानी वाणिज्य दूतावास में दो ईरानी जनरल समेत कई अधिकारों के मारे जाने के बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खाई थी। ईरान ने इस हमले का इजरायल को दोषी ठहराया था। हालांकि इजरायल ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। दोनों देश वर्षों से एक दूसरे से कट्टर विरोध हैं और कई बार हमले भी कर चुके हैं।

बंदूकधारियों ने बस से उतारा नौ पंजाबियों को मारी गोली

–बलूच उग्रवादियों ने ली हत्या की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में बलूच, पख्तून और मुहाजिरों की पहचान के आंदोलन लंबे समय से चलते रहे हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 11 लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जो मूलत-पाकिस्तानी पंजाबी के थे। बलूच उग्रवादियों ने अलग-अलग हमलों में 11 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

बांग्ला भाषा और पहचान के नाम पर पाकिस्तान 1971 में एक विभाजन झेल चुका है। इसके बाद भी वहां अलगाववाद थम नहीं रहा तो उसकी वजह यह है कि पाकिस्तान में पंजाब सूबे का प्रभुत्व सबसे ज्यादा है। पाकिस्तानी सेना से लेकर सत्ता तक में पंजाबियों का दबदबा है। ऐसे में कई जगहों पर पंजाबी विरोध हिंसक रूप लेता जा रहा है।

पंजाब प्रांत के रहने वाले नौ युवकों को शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी इलाके में बंदूकधारियों ने एक बस से नीचे उतारा और उनकी पंजाबी होने की पहचान के बाद उनकी बंदूकधारियों ने गोलीकर हत्या कर दी और उनके शवों को पुल के नीचे फेंक दिया। वहीं एक अलग घटना में उसी राजमार्ग पर दो लोगों की मौत हो गई, जब बंदूकधारियों ने उनकी कार पर गोलीबारी की। पाकिस्तानी अखबार के अनुसार प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हत्याओं की जिम्मेदारी ली है। खबर में बताया गया है कि पंजाब प्रांत के यी नौ लोग ईरान जा रहे थे, जहां से वे तुर्किये के रास्ते यूरोप में जाने वाले थे, लेकिन उन्हें रास्ते में उतार कर मौत के घाट उतार दिया।

इस घटना के बाद पाकिस्तान सरकार ने उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई बात कही है। बलूच राष्ट्रवादी अकसर पंजाब के लोगों के खिलाफ हिंसा की ऐसी वारदातों को अंजाम देते रहते हैं। उनका आरोप है कि बलूचिस्तान की खनिज संपदा का दोहन करने में पंजाब प्रांत के लोग शामिल हैं। यही नहीं बलूचिस्तान में उन चीनी नागरिकों को भी निशाना बनाया जा रहा है, जो वहां चल रही परियोजनाओं में काम कर रहे हैं।

बता दें पख्तून मानते रहे हैं कि उनकी पहचान 5000 साल पुरानी है और वे इस्लाम एवं पाकिस्तान से भी पुरानी सभ्यता वाले हैं। यही वजह है कि अफगानिस्तान से लेकर खैबर पख्तूनख्वा तक को वे एक यूनिट मानते हैं और पाकिस्तान की सीमा को भी खारिज करते रहे हैं। बीते 6 महीने से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चमन बॉर्डर पर हजारों पख्तूनों का आंदोलन इसकी बानगी है। वहीं बलूचों का मानना है उन्हें पाकिस्तान में शामिल करा गलत किया गया और उनके संसाधनों का दोहन तो हो रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारी उनकी ना के समान है। गौरतलब है कि 1947 में भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान जब अस्तित्व में आया था तो बलूचिस्तान के एक शासक कलात खान उसमें विलय के पक्ष में नहीं थे। इस पर मोहम्मद अली जिन्ना ने वादा भी किया था कि वह सबकी राय लेंगे। अंत में सेना के जोर पर उसका विलय कर दिया गया। वह विलय तो हो गया, लेकिन बलूचों में आज भी पाकिस्तान को लेकर गुस्सा है और पंजाबी प्रभुत्व से एक वर्ग में गहरी नफरत है।

सुरक्षा कारणों से सीन नदी के बजाय स्टेडियम में हो सकता है ओलंपिक उद्घाटन समारोह : मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को कहा कि योजना के अनुसार सीन नदी पर होने वाले पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह को सुरक्षा कारणों से राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डि फ्रांस' में कराया जा सकता है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक से पहले फ्रांस में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये जा रहे हैं क्योंकि इस दौरान लाखों दर्शकों के देश पहुंचने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में करीब 10,500 खिलाड़ियों को नावों में बिठाकर सीन नदी पर छह किलोमीटर (3.7 मील) दूर तक परेड करायी जायेगी और दर्शक किनारे से बैठकर उन्हें देखेंगे। लेकिन 26 जुलाई को होने वाले इस समारोह के लिए सुरक्षा के कई स्तरों की जरूरत होगी और अगर ऐसा होता है तो स्टेडियम के बाहर होने वाला यह पहला ओलंपिक उद्घाटन समारोह होगा। फ्रांस की मीडिया 'बीएफएम–टीवी' और 'आरएमसी' से बात करते हुए मैक्रों ने कहा, ''अगर हमें लगता है कि जोखिम होगा जो हमारे सुरक्षा विश्लेषकों के आकलन पर निर्भर करेगा तो हमारे पास 'बी' और 'सी' योजना भी है।''

परिषद को एक्शन लेना होगा, इजराइल नहीं पूरी दुनिया के भविष्य के लिए

– संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर साधा निशाना

जेनेवा (एजेंसी)। पिछले दिनों ईरान ने इजराइल पर अचानक हमला कर दिया। ईरानी हमले को लेकर इजराइन ने दावा किया है कि उसने कई ईरानी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया है। इन घटनाक्रमों के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा। इजरायल ने ईरान की आतंकी गतिविधियों पर खामोश रहने पर संयुक्त राष्ट्र को भी घेरा है।

संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत ने कहा कि इजरायल बेवजह का रोना नहीं रोता। हम सालों से अपना पक्ष रखते आ रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को समझाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इसका फायदा नहीं हुआ। अगर यूएनएससी हमारे बातों पर अमल कर लेता तो ईरानी हमलों की गूंज से उसे जागना नहीं पड़ता।

इजरायली राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से कहा कि उन्होंने ईरान की निंदा क्यों नहीं की? इसके बजाए आपने हमास के लिए लाल कार्पेट बिछाया। आप उनके साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं, जैसे वे इस मौजूदा स्थिति को कम करने के इच्छुक हैं जबकि आपको पता है ऐसा कुछ नहीं है। ईरान की रणनीति रही है कि वे दुनियाभर में आतंकी को फंडिंग करने और आतंकियों को ट्रेनिंग देता है ताकि वह वर्चस्व की अपनी योजना को अमलीजामा पहना सके लेकिन आज ईरान का चेहरा दुनिया के सामने आ गया है। ईरान ने अपनी जमीं से इजरायल पर हमला किया है।

इजरायली राजदूत ने कहा कि इस हमले ने सभी सीमाएं लांघ दी है और इजरायल को पूरा हक है कि वह इसका जवाब दे। हम सिर्फ शोर मचाने वाले देश नहीं हैं। इजरायल पर इस तरह का सीधा हमला होने के बाद हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में अब कोई मान मनौव्वल नहीं होगा। कोई तुष्टिकरण नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को एक्शन लेना होगा। ईरान के हमले की निंदा करनी होगी। आज और अभी एक्शन लेना होगा इजरायल या मिडिल ईस्ट के लिए नहीं बल्कि दुनिया के भविष्य के लिए। ईरान को आज ही रोकना होगा।

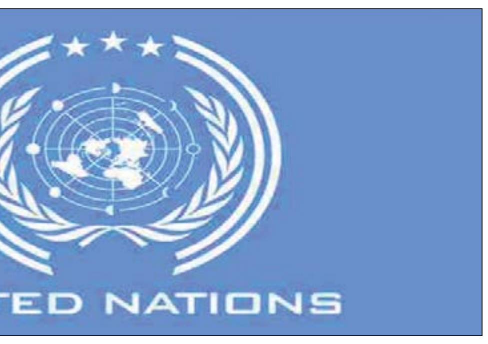

वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी राजदूत ने कहा कि ईरान की सेना ने इजरायल के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर 51 का पालन करते हुए आत्मरक्षा की वजह से यह कदम उठाया है। इसमें साफ कहा गया है कि कोई भी देश खुद पर हमले और खतरे के मद्देनजर आत्मसुरक्षा में जवाबी हमला कर सकता है।

ईरानी राजदूत ने यूएनएससी में अमेरिका को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि ये देश, विशेष रूप से अमेरिका गाजा नरसंहार में इजरायल की जवाबदेही से उसे बचाने के लिए ढाल बनकर खड़ा है जबकि ये हम पर इजरायली हमले को लेकर अपनी आंख मूंद लेते हैं और गाजा नरसंहार को न्यायोचित ठहराते हैं। यह उनकी दोहरी नीति है। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में ईरान की अमेरिका से दो-दो हाथ करने की कोई मंशा नहीं है। हमने शांति के लिए प्रतिबद्धता जताई है लेकिन अगर अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन शुरू करता है तो हम उसका जवाब जरुर देंगे।

मिस्टर एंड मिसेज माही से पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं राजकुमार राव और जान्हवी कपूर

साल 2018 में धड़क फिल्म से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अब तक कुल 7 फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। अब वो फिर से करण जौहर के साथ नई फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसकी रिलीज डेट शनिवार को अनाउंस कर दी गई है। इसकी रिलीज डेट को पोस्टपोन किया गया है। करण जौहर ने नई रिलीज डेट का ऐलान करते हुए कैप्शन में लिखा, कुछ फिल्में सिर्फ कहानियों से कहीं ज्यादा हैं... वे दर्शकों से सपनों के बारे में बात करती हैं और कितनी बार हमारे सबसे करीबी लोग हमारे सपनों के रास्ते में आ सकते हैं... मिस्टर और मिसेज माही हमारे दिलों के करीब है...। करण ने आगे लिखा, और हम सोमवार को आपके साथ अपने कैंपेन डिजाइन शेयर करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते... लेकिन अभी हमारे पास रिलीज डेट है!! 31 मई 2024!! आपने नजदीकी सिनेमाघरों में। इस फिल्म में जान्हवी कपूर और राजकुमार राव लीड रोल में हैं। दोनों रूही के बाद इस क्रिकेट ड्रामा मूवी में साथ नजर आएंगे। करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस में बनी इस फिल्म को शरण शर्मा ने डायरेक्ट किया है, जिन्होंने गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल के साथ निर्देशन में कदम रखा। इस फिल्म में भी जान्हवी लीड रोल में थीं।

साउथ में कदम रखने जा रही हैं जान्हवी

जान्हवी की अपकमिंग मूवीज की बात करें तो बॉलीवुड के अलावा अब वो साउथ में भी अपना जलवा बिखेरने जा रही हैं। वो देवरा- पार्ट वन में जूनियर एनटीआर के साथ नजर आने वाली हैं। ये उनकी पहली तेलुगू मूवी है। इसके अलावा उनकी उलझ भी रिलीज के लिए तैयार है। राम चरण के साथ भी उन्होंने एक फिल्म साइन की है।

सलमान खान के साथ डेब्यू से पहले मेरे पास पांच फिल्मों के ऑफर थे

एक्ट्रेस रवीना टंडन ने खुलासा किया है कि उन्होंने 1991 में सलमान खान के साथ पत्थर के फूल में पदार्पण करने से पहले पांच फिल्मों का ऑफर ठुकराया था। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें पत्थर के फूल से पहले कई फिल्मों के ऑफर आए थे। किसका ब्रांड बजेगा पर बोलते हुए अभिनेत्री कहा कि मैंने इससे पहले ही पांच फिल्मों को ना बोल दिया था। उन्होंने कहा, मैं कॉलेज कैंटीन में थी, और मैंने अंदर आकर कहा, अंदाज़ा लगाओ कि मुझे किसके साथ फिल्म का ऑफर मिला है, और उन्होंने कहा, कौन? और मैंने कहा, सलमान खान, और मेरे सभी दोस्त बोले, याय्य! इसके बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि फिल्म स्वीकार करने से लेकर उस पर काम शुरू करने तक की प्रक्रिया बहुत तेज थी। रवीना ने कहा, तो मैंने हां कह दी, अगले दिन मैंने सलमान के साथ फोटोशूट किया और तीसरे दिन मैं फिल्म कर रही थी। अनंत बलानी द्वारा निर्देशित और सलीम खान द्वारा लिखित, पत्थर के फूल एक युवा पुलिस अधिकारी और एक गैंगस्टर की बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। पत्थर के फूल के बाद रवीना और सलमान ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अंदाज अपना-अपना, कहीं प्यार ना हो जाए आदि शामिल हैं।

बांद्रा में सी फेसिंग अपने नए घर में शिफ्ट हो रही हैं पूजा हेगड़े

मुंबई। अभिनेत्री पूजा हेगड़े जल्द ही अपने नए घर में शिफ्ट होने जा रही हैं। पूजा हेगड़े ने 45 करोड़ में 4,000 वर्ग फुट की एक प्रॉपर्टी खरीदी है जो सी फेसिंग है। पैन-इंडिया स्टार की नई प्रॉपर्टी मुंबई के बांद्रा इलाके में है। इसके साथ ही अभिनेत्री के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव आने वाला है, जो मुंबई में ही पहले कहीं और रहती थी। अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने साझा किया- पूजा हेगड़े शानदार हवेली में शिफ्ट हो रही हैं, जिसमें रहने के लिए 4,000 वर्ग फुट की जगह है। एक प्रमुख स्थान पर स्थित, यह भव्य निवास न केवल समुद्र के मनोरम दृश्य पेश करता है, बल्कि मुंबई के केंद्र में आराम और सुंदरता के अभयारण्य के रूप में कार्य करता है। इससे पहले पूजा गोवा में छुट्टियां मनाने गई थीं। दिवा ने बिना मेकअप लुक के साथ गोवा की धूप से अपनी तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री ने गोवा के कुछ पाक व्यंजनों की झलक और पूल के किनारे आराम करते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की थी। उनके वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में कई बहुप्रतीक्षित फिल्में हैं। देवा के अलावा, उनकी प्लेट में सनकी और तीन प्रमुख दक्षिण भारतीय प्रोजेक्ट हैं।

सलमान संग अपने रिश्ते पर बोले अरबाज

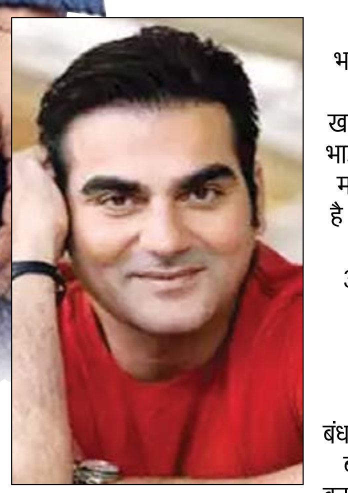

बॉलीवुड के भाईजान यानी कि सलमान खान का अपने भाइयों के साथ मजबूत रिश्ता है। हाल ही में, अपने बेटे अरहान खान के साथ बातचीत में अरबाज ने अपने अटूट बंधन के बारे में बात की और बताया कि कैसे वे हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। सोहेल ने भी बातचीत के दौरान सलमान के प्रति अपनी प्रशंसा और सम्मान भी व्यक्त की। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। अरबाज ने अपने मजबूत संबंध के बारे में बताते हुए खुलासा किया कि भले ही वे रोजाना बात नहीं करते हो लेकिन वे एक अनकहा बंधन साझा करते हैं और मुसीबत के समय में हमेशा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अभिनेता ने कहा, हम एक-दूसरे के बहुत करीब हैं। जब हम छोटे थे। हम बेशक एक साथ रहते थे और फिर हमने काम करना शुरू कर दिया और अपने घरों से बाहर चले गए... एक ने अभी तक शादी नहीं की है, लेकिन हमने शादी कर ली और अलग भी हो गए और फिर मैंने दोबारा शादी कर ली, लेकिन हम भाईयों के बीच कुछ भी नहीं बदला।

अरबाज ने आगे कहा, बात यह है कि हम जब हम अपने व्यक्तिगत काम कर रहे होते हैं तो हो सकता है कि हम वहां मौजूद न हो, लेकिन जब कोई मुसीबत आती है तो हम साथ होते हैं। तभी लोग एक-दूसरे से दूर नहीं भागते हैं। सलमान और मैं शायद इतनी बार न मिले या इतनी बार बातचीत न करें, लेकिन अगर उन्हें एहसास होता है कि मैं किसी तरह के झगड़े में हूं तो वह आदमी संकोच नहीं करेगा। अरबाज खान ने रिश्तों में एक-दूसरे के साथ खड़े होने के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा, यह पैसों की मदद के बारे में नहीं है। मैं सलमान की आर्थिक मदद नहीं कर सकता क्योंकि उनके पास काफी कुछ है लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता है। आपको भावनात्मक सपोर्ट की जरूरत होती है। आपको सुनने वाला बनकर वहां रहना होगा। कभी कभी बस मौजूद होना भी काफ़ी होता है।

राम चरण को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

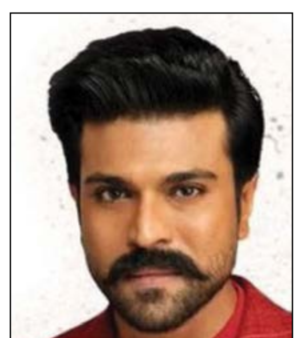

साउथ के फेमस एक्टर राम चरण इस समय चर्चा में हैं। उन्हें चेन्नई की वेल्स यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। 13 अप्रैल को एक्टर ने सोशल मीडिया पर मानद उपाधि पाते हुए एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। वो इस ग्रेजुएशन सेरेमनी में चीफ गेस्ट भी थे। इस खास मौके पर उनकी वाइफ उपासना कामिनेनी भी मौजूद रहीं और अपने पति को डॉक्टर कहकर संबोधित किया। वेल्स यूनिवर्सिटी के इंस्टाग्राम पेज पर भी ग्रुप फोटो शेयर की गई है और कैप्शन में लिखा है, थिरु! राम चरण। इंडियन एक्टर, फिल्ममेकर और बिजनेसमैन। अपने 14वें एनुअल कॉन्वोकेशन (दीक्षांत समारोह) में वेल्स यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि प्राप्त कर रहे हैं। मालम हो कि वेल्स यूनिवर्सिटी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को पहचाने जाने के लिए दिया जाता है। राम को ये सम्मान, फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान के कारण उन्हें मिला है। राम ने साल 2007 में चिरुथा मूवी से डेब्यू किया था। तब से उन्होंने अपने करियर में शानदार फिल्में दी हैं।

विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म के लिए मराठी अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे से चल रही है बातचीत

फिल्म 'डियर कॉमरेड' के बाद से एक हिट की तलाश में भटक रहे अभिनेता विजय देवरकोंडा की बीते हफ्ते रिलीज फिल्म 'द फैमिली स्टार' फ्लॉप होने के बाद वह एक नए संकट में हैं। गौतम तिन्नौरी के निर्देशन में बनने वाली उनकी अगली फिल्म के लिए अब हीरोइन ही नहीं मिल रही है। इस फिल्म में पहली अभिनेत्री श्रीलीला काम करने वाली थीं, लेकिन उनके फिल्म से अलग हो जाने के बाद से अब तक फिल्म के दूसरी हीरोइन नहीं मिली है।

साउथ सिनेमा के अभिनेता विजय देवरकोंडा का पहले पहल नाम हिंदी भाषी क्षेत्रों में तब चर्चा में आया जब निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा ने अपनी तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' का रीमेक हिंदी में 'कबीर सिंह' के नाम से बनाने का एलान किया। रीमेक की रिलीज से पहले मूल फिल्म को दर्शकों ने खूब देखा और ये इस फिल्म की लोकप्रियता का ही नतीजा रहा कि निर्माता करण जौहर ने उन्हें फिल्म 'लाइगर' के लिए साइन कर लिया। फिल्म के लिए विजय ने पूरा उत्तरी और पश्चिमी भारत मथ डाला लेकिन फिल्म फ्लॉप रही।

फिल्म 'लाइगर' के बाद रिलीज उनकी पिछले साल रिलीज फिल्म 'खुशी' और अब 'द फैमिली स्टार' भी फ्लॉप हो चुकी है। विजय की अगली फिल्म निर्देशक गौतम तिन्नौरी के साथ बन रही है। इस फिल्म की हीरोइन श्रीलीला ने अब इस फिल्म में काम करने से मना कर दिया है और साउथ की कोई बड़ी अभिनेत्री इस फिल्म में काम करने को तैयार नहीं है। हिंदी सिनेमा से किसी बड़ी हीरोइन 'इम्पोर्ट' करने की कोशिशें भी सिरे नहीं चढ़ रही हैं।

अब सुनने में आया है कि फिल्म 'यारियां 2' के एक छोटे से रोल में दिखीं मराठी अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे से इस फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है। भाग्यश्री इन दिनों अभिनेता रवि तेजा के साथ एक फिल्म 'मिस्टर बच्चन' कर रही हैं। भाग्यश्री बोरसे ने फिल्म 'यारियां 2' में अपने काम से दर्शकों का खासा प्रभावित किया था। फिल्म में चूंकि उनका रोल काफी छोटा था और फिल्म बनाने वालों ने उन्हें इसके पूरे प्रचार में शामिल भी नहीं किया, जिसके चलते अधिकतर दर्शकों को उनका नाम तक पता नहीं चल पाया।

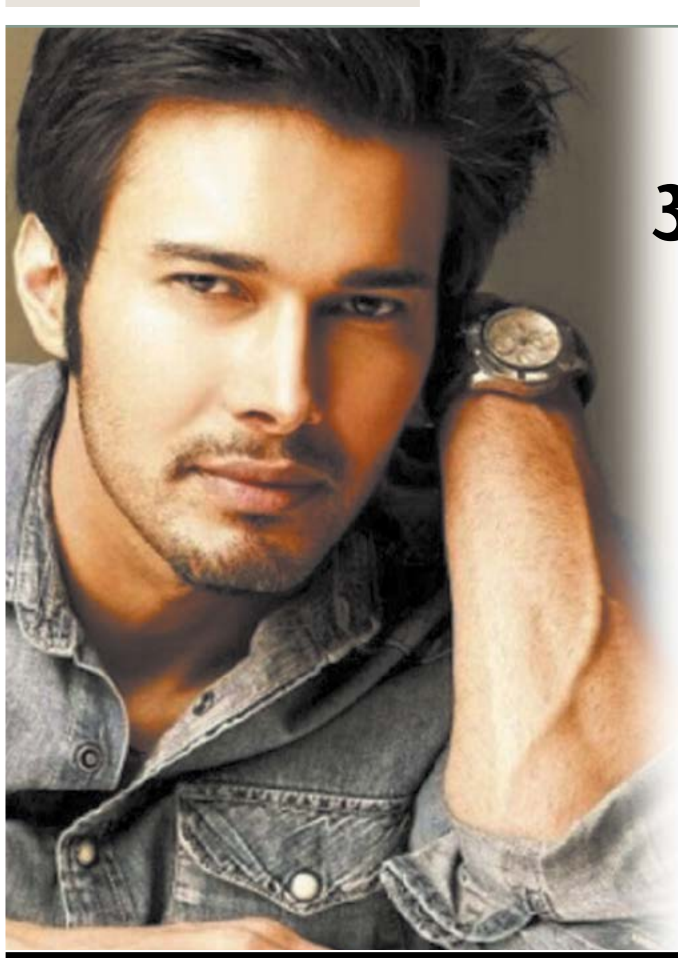

बिग बॉस का कई बार मिला ऑफर, मगर एक जगह बंधकर 24 घंटे रहना पसंद नहीं

वजह तुम हो, 1920, इंस्पेक्टर अविनाश जैसी फिल्मों और वेब सीरीज से रजनीश दुग्गल ने खुद को साबित किया है। आगे भी वह बड़े बैनर की फिल्में करना चाहते हैं लेकिन उनका सारा ध्यान कहानियों के चुनाव पर होगा। एक्टर कहते हैं कि मैं अपनी ऑडियंस को धोखा नहीं देना चाहता। 17-18 साल की उम्र से इंडस्ट्री में काम करने वाले अभिनेता नए कलाकारों के लिए कुछ करना चाहते हैं, ताकि वो भी अपने सपने को पूरा कर सकें। रजनीश कहते हैं कि हम खुद ही हिट एंड ट्रायल पर सीखते हैं। अगर समय पर सही सीख मिल जाती तो गलतियों की गुंजाइश कम हो जाती है।

नए कलाकारों के लिए कुछ करना चाहता हूं

एक्टर शाहिद कपूर ने अभी हाल ही में कहा था कि मैं कुछ ऐसा करना चाहता हूं, जिससे नए कलाकारों को मौके मिलें। यह बहुत अच्छी बात है। मैं भविष्य में ऐसा ही कुछ करना चाहता हूं, जिससे नए टैलंट को अपने सपने पूरे करने में मदद मिले। गुरु को लोग मिस करते हैं या फिर कहें कि अच्छे चैनल की लोग तलाश में रहते हैं। कई बार आपको अच्छे मैनेजर, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर मिल सकते हैं, जो आपको सही दिशा दिखाएं। इसमें यह जरूरी नहीं कि वो ही आपको अपनी फिल्म में काम भी दें। ये लोग आपके आगे की राह आसान कर सकते हैं। बाकी आप खुद ही हिट एंड ट्रायल पर सीखते हैं। अगर सही सीख समय पर मिल जाती है तो गलतियों की गुंजाइश कम हो जाती है।

मेरे हर काम की जानकारी पत्नी को होती है

मेरा और धर्मपत्नी पल्लवी जोशी की काम को लेकर पूरी वार्तालाप होती है। हम दोनों एक-दूसरे को अपनी बात रखने का पूरा मौका देते हैं। मैं जो भी काम करता हूं, वो एक-एक चीज उनको पता होती है। यह बहुत पहले की बात है, जब मैंने किसिंग सीन को लेकर कई ऑफर ठुकरा दिए थे। अब भी ऐसा ही है। शादी से पहले पल्लवी मेरी गर्लफ्रेंड थी, तभी से हमने फैसला किया था कि मैं पर्दे पर किसिंग सीन जैसा कुछ नहीं करूंगा। मैं उस जोन में जाना नहीं चाहता हूं। अब मेरी बेटी बड़ी हो रही है। उसके बारे में भी सोचना पड़ता है। फिर भी अगर कहानी की आवश्यकता हो और फिल्म ऐरॉटिक थ्रिलर जोन में ना हो तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है।

24 घंटे एक जगह बंधकर रहना बिल्कुल पसंद नहीं है

रियलिटी शो 'बिग बॉस' का ऑफर तो कई बार आया लेकिन मुझे 24 घंटे एक जगह पर बंधकर रहना पसंद नहीं है इसीलिए लगता है कि मैं वह शो नहीं कर सकता। उसमें 24 घंटे कैमरे की नजर आप पर ही रहती है। मैं 24 घंटे कैमरे के सामने नहीं रहना चाहता। मेरे लिए 12 घंटे की शूटिंग शिफ्ट ही अच्छी है। वक्रफंट की बात की जाए तो मुझे अब अच्छा कॉन्टेंट मिल रहा है। बाकी एक्टर्स की तरह मैं भी बड़े बैनर की फिल्में करना चाहता हूं लेकिन कॉन्टेंट अच्छा होना चाहिए। जब आप बड़े बैनर का हिस्सा बनते हैं तो ग्रोथ जल्दी होती है लेकिन मैं अपनी ऑडियंस को धोखा नहीं देना चाहता। मुझे लगता है कि जब आपके पास अच्छी स्क्रिप्ट और अनुभवी एक्टर्स होते हैं तो काम करने में मजा आता है। यहां क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम लागू होता है, जो आपकी परफॉर्मेंस में चार चांद लगा देता है। साथ ही साथ सीखने को भी वहां काफी कुछ होता है।

'घर से कभी कुछ मांगने की नौबत नहीं आई है'

मैं मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता हूं। ऊपरवाले की दुआ से 17-18 साल की उम्र से मैं इस इंडस्ट्री में काम कर रहा हूं। घर से कुछ लिया नहीं और ना ही कभी ऐसी नौबत आई है। एक चीज थी, जो परिवार की हमेशा मेरे साथ रही, वो था उनका आशीर्वाद। इससे मुझे बहुत मदद मिली। मां-पापा ने मेरा हमेशा मार्गदर्शन किया। मेरी वेब सीरीज विडियो स्कैम को दर्शकों का बहुत प्यार मिला। अब इसका दूसरा पार्ट लिखा जा रहा है। अभी मैंने एक मर्डर मिस्ट्री सीरीज की है, जो कि चार सीजन की कहानी है। उसमें मैं इंस्पेक्टर की भूमिका में दिखूंगा। एक थर्ड जेंडर के ऊपर फिल्म है, जो कि बीते साल लखनऊ में ही शूट की थी।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत दादरा नगर हवेली निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम ने आयोजित किये अनेक कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 अप्रैल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत दादरा नगर हवेली जिले के निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम द्वारा व्यवस्थित मतदान शिक्षण तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में मतदाताओं की अधिकाधिक सहभागिता के उद्देश्य से निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियांक किशोर, रिस्पोंसिबल ऑफिसर शुभांकर पाठक, निवासी उपसमाहर्ता (खानवेल) तथा रिस्पोंसिबल ऑफिसर एवं चीफ ऑफिसर (सिलवासा नगरपालिका), संग्राम शिंदे के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत दपाड़ा डुंगरीपाड़ा की आंगणवाड़ी वर्करों के साथ-साथ हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड दपाडा के स्टाफ को मतदान संबंधी जानकारी देते हुए वोटर हेल्पलाइन, वोट के दिन ले जाने हेतु महत्वपूर्ण दस्तावेजों मतदान से संबंधित जानकारी हेतु 1950 तथा 1077 द्वारा दी जाने वाली सेवाएं, सी विजिल एप और वोट के महत्व की जानकारी दी गई। स्वीप टीम द्वारा सोशल मीडिया के अंतर्गत इंस्टाग्राम (sveepdnh2024) और फेसबुक पर भी मतदान जागरूकता कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी जाती है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में आम जनता को मतदान संबंधी जानकारी प्राप्त हो सके और उन्हें वोट देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। यहां के प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि इंस्टाग्राम और फेसबुक को फॉलो करें और अधिक से अधिक संख्या में इन सुविधाओं का लाभ उठाते हुए मतदान संबंधी संपूर्ण जानकारी प्राप्त करें तथा 7 मई 2024 को मतदान केंद्र पर जाकर अपना बहुमूल्य वोट अवश्य दें।

शैक्षणिक उत्कृष्टता का जश्न: जीएनएलयू सिलवासा के छात्र छात्रवृत्ति और यूजीसी नेट की सफलता के साथ चमके

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 अप्रैल। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सिलवासा के दो छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए विशिष्ट उपलब्धियों से सम्मानित किया गया है। एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद जीएनएलयू सिलवासा में बीए एलएलबी कार्यक्रम की पढ़ाई कर रही दिवी सुप्रजा और पावनी सिंह को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए रिलायंस फाउंडेशन अंडरग्रेजुएट छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति में प्रत्येक स्कॉलर को 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता शामिल है। वित्तीय सहायता के अलावा इन छात्रों को पूर्व छात्रों के जीवंत नेटवर्क में शामिल होने के साथ-साथ कौशल विकास और व्यक्तिगत विकास के व्यापक अवसरों से भी लाभ होगा। मूल रूप से आंध्र प्रदेश की रहने वाली दिवी सुप्रजा और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की पावनी सिंह ने असाधारण शैक्षणिक कौशल और नेतृत्व गुण दिखाए हैं। उत्तर प्रदेश के बस्ती के एक दूरदराज के गांव से आने वाले और जीएनएलयू सिलवासा में एलएलएम कार्यक्रम के छात्र दिनेश मिश्रा ने अपने पहले प्रयास में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) पास करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि जीएनएलयू सिलवासा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि दिनेश मिश्रा यह उपलब्धि हासिल करने वाले संस्थान के पहले छात्र हैं। उनकी सफलता ने अब उनके लिए नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सहित लॉ कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त होने का द्वार खोल दिया है। जीएनएलयू सिलवासा के पहले बैच का प्रतिनिधित्व करने वाली दिवी सुप्रजा, पावनी सिंह और दिनेश मिश्रा की अनुकरणीय उपलब्धियां भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के रूप में काम करेंगी और उन्हें अटूट दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

खारीवाड की जरीमरी माताजी का 17वां पाटोत्सव और नीलकंठ महादेवजी का 16वां पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 अप्रैल। खारीवाड विस्तार स्थित जरीमरी माताजी मंदिर का 17वां और नीलकंठ महादेवजी मंदिर का 16वां पाटोत्सव आज धूमधाम से मनाया गया। चैत्र सुद सप्तमी को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माताजी का नवचंडी यज्ञ और शिवजी का अभिषेक एवं पूजन किया गया। इस अवसर पर दोपहर 1 बजे महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर महाप्रसाद का लाभ लिया। इस धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन में डीएमसी के पूर्व प्रेसिडेंट जयंती पटेल और उनकी टीम ने पूरा सहयोग दिया।

दीव जिले में रामनवमी को लेकर तैयारियां शुरु

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 15 अप्रैल। दीव जिले में बुधवार 17 अप्रैल को रामनवमी का त्यौहार मनाया जाएगा, जिसे लेकर दीव जिले में विभिन्न तैयारियां चल रही हैं। जगह-जगह बैनर लगाकर पूरे हिंदू समुदाय द्वारा हर्षोल्लास के साथ रामनवमी मनाने की तैयारी की जा रही है। भगवा रंग के झंडे, सड़कों पर भगवा द्वार, मंदिरों की सफाई, सजावट आदि किये जा रहे है। रामनवमी के दिन दीव में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम किए जायेंगे। रामनवमी उत्सव को यादगार बनाने के लिए लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

दमण फिश मार्केट में मछली बेचने वाली महिलाओं ने की पूजा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 अप्रैल। दमण फिश मार्केट में आज मछली बेचने वाली महिलाओं ने पूजा की। दमण के नये फिश मार्केट में मछली बेचने वाली महिलाओं ने आज सामुहिक पूजा आयोजन किया था। जिसमें मछली बेचने वाली सभी महिलाओं ने शामिल होकर विधिवत पूजा की और अपने व्यवसाय में उन्नति की कामना की।

दीव पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध शराब और मोटर साइकिल के साथ किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 15 अप्रैल। दीव पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध शराब और एक मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। दीव पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि 14/04/2024 को लगभग 18:45 बजे हेड कांस्टेबल जितेंद्र पंड्या के नेतृत्व में क्राइम टीम ने दीव जिला क्षेत्र में एक वाहन गश्ती की। दीव अपराध शाखा से जुड़े पीसी केतन राठौड़ और पीसी केयूर सोलंकी सहित अधिकारियों की टीम दीव जिला क्षेत्र में वाहन गश्त ड्यूटी पर थी। घोघला जेटी में गश्त के दौरान उनका सामना कनकबरदा में रहने वाले 27 वर्षीय राठौड़ त्रिपालसिंह नामक व्यक्ति से हुआ। इस व्यक्ति को उत्पाद शुल्क विभाग से पास या परमिट के बिना भारतीय निर्मित विदेशी शराब स्टॉक के अवैध कब्जे के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया था। वे शराब को अपने वाहन मोटर साइकिल नंबर जीजे 32 एल 6114 में गुजरात की ओर ले जाने के इरादे से लोड कर रहा था। नतीजतन पुलिस उन्हें दीव पुलिस स्टेशन ले आई। एक वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश के बाद शराब का स्टॉक जिसमें 19 बोतलें (3.5 लीटर) थीं, जिनकी कीमत 885 रुपये और मोटर साइकिल एक बजाज पल्सर जिसकी अनुमानित कीमत 40,000 रुपये की राशि को गिना गया, उनके वास्तविक मूल्य का सत्यापन किया गया और आगे के निपटान के लिए उत्पाद शुल्क विभाग को सौंप दिया गया। जप्त की गई वस्तुओं के उचित निपटान की सुविधा के लिए उत्पाद शुल्क विभाग दीव के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई थी।

संभावित हीटवेव से निपटने महत्वपूर्ण आठ विभागों को संलग्न कर राज्य सरकार का एक्शन प्लान तैयार

गांधीनगर (ईएमएस)। राज्य में आगामी समय में संभावित हीटवेव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य स्तर पर अग्रिम आयोजन करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। गांधीनगर में मुख्यमंत्री के निवास स्थान पर आयोजित इस बैठक में राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने कहा कि गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) ने संभावित हीटवेव का सामना करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। हीटवेव का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण आठ विभागों को संलग्न कर यह एक्शन प्लान तैयार किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, श्रम एवं रोजगार विभाग, जलापूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, पर्यटन विभाग, ऊर्जा विभाग, परिवहन विभाग, शहरी विकास एवं पंचायत विभाग को संलग्न कर विस्तृत एक्शन प्लान तैयार किया गया है।हीटवेव की स्थिति में नागरिकों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसकी गाइडलाइन्स तथा एक्शन प्लान के विषय में विवरण राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से सभी 33 जिलों के प्रशासन को प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हीटवेव के विरुद्ध नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों को दी गई गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करने तथा एक्शन प्लान को पूरी तरह लागू करने का निर्देश दिया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)